दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-5 अंक-139, भोपाल शनिवार 02 अप्रैल 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"इस बात का अधिक महत्त्व नहीं है कि दुनिया में हम कहां खड़े हैं अपितु महत्तव तो इस बात का है कि हम किस दिशा की तरफ अग्रसर हैं।"
- ओलिवर वेन्डेल होम्स

कालीचरण की जमानत पर फैसला सुरक्षित

बिलासपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले संत कालीचरण की जमानत पर हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। शुक्रवार को जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल की कोर्ट में उनके

वकील ने बहस के दौरान कहा कि किताबों में लिखी हुई बातों पर सार्वजनिक बयान देना कोई अपराध नहीं है। कालीचरण 90 दिनों से जेल में बंद है और उनकी चार्जशीट भी पेश हो चुकी है। लिहाजा, जमानत उनका अधिकार है। इधर, शासन के वकील ने कहा कि कालीचरण को अपनी हरकतों पर कोई पछतावा नहीं है। वह जेल से बाहर आकर फिर से सांप्रदायिकता फैला सकता है। लिहाजा, उसे जमानत न दी जाए। रायपुर की धर्म संसद में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक बातें कर उन्हें गाली देने वाले संत कालीचरण पिछले तीन माह से जेल में हैं। निचली अदालत से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद उनके वकील मेहुल जेठानी ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। याचिका में बताया गया है कि कालीचरण के खिलाफ पुलिस ने बाद में राजद्रोह का केस दर्ज किया है। उनके खिलाफ राजद्रोह का मामला नहीं बनता है। शुक्रवार को जमानत अर्जी पर जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल की बेंच में बहस हुई।

यूक्रेन का पलटवार, पहली बार रूस के अंदर हवाई हमला

बेलगोरोड शहर के ऑयल डिपो को उड़ाया

कीव/मॉस्को , एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जंग 37वें दिन भी जारी है। रूसी हमलों के जवाब में अब यूक्रेन की आर्मी ने रूस के शहर पर हमला किया है। न्यूज एजेंसी स्नक्क के मुताबिक, रूस के पश्चिमी शहर बेलगोरोड गवर्नर का कहना है कि शुक्रवार को यूक्रेन के 2 हेलिकॉप्टरों ने उनके यहां ऑयल डिपो पर एयरस्ट्राइक की।

इस हमले में दो लोग घायल हो गए। इस में जंग में दोनों देश की सेना के साथ आम लोगों को भी जान माल का भारी नुकसान हो रहा है। यूक्रेन के प्रोसिक्यूटर जनरल ऑफिस के मुताबिक, रूसी हमले में अब तक 153 बच्चे की मौत हो चुकी है, जबकि 245 से ज्यादा बच्चे घायल हैं।

चेर्नोबिल न्यूक्लियर पावर प्लांट से हट रही है रूसी सेना

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रूसी सेना ने 24 फरवरी को चेर्नोबिल न्यूक्लियर पावर प्लांट पर कब्जा कर लिया था। यहां से अब रूसी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू कर दिया है। अधिकारी ने बताया, सैनिक चेर्नोबिल से दूर जा रहे हैं और बेलारूस में प्रवेश कर रहे हैं।

रोज 10 लाख बैरल कच्चा तेल जारी करेगा अमेरिका

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन पर हमले के मद्देनजर फ्यूल की बढ़ती कीमतों को कम करने के लिए अगले छह महीनों तक रोज 10 लाख बैरल तेल जारी करने की

घोषणा की है। व्हाइट हाउस ने कहा कि यूक्रेन में सैन्य आक्रमण के कारण रूस पर अमेरिका समेत कई देशों के आर्थिक प्रतिबंधों से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं।

पुतिन ने कहा कि रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने के लिए विदेशी खरीदारों को रूसी बैंकों में रूबल खाते खुलवाने होंगे। आज से इन्हीं खातों से गैस आपूर्ति के लिए भुगतान स्वीकार किया जाएगा।

नाटो के महासचिव जेंस स्टोल्टेनबर्ग ने कहा है कि यूक्रेन में रूसी सैनिक पीछे नहीं हट रहे हैं, बल्कि डोनबास क्षेत्र के लिए एकत्र हो रहे हैं।अमेरिका की एक कंपनी ने कहा कि रूस-यूक्रेन जंग शुरू होते ही यूरोप में साइबर हमला हुआ था।

यूक्रेन में हुए नुकसान पर एक नजर

- यूक्रेन की डिफेंस मिनिस्ट्री के मुताबिक, अब तक रूसी सेना ने 1,370 मिसाइलें दागी हैं और यूक्रेन के 15 हवाई अड्डों को तबाह कर दिया है।
- यूक्रेन ने दावा किया है कि लगातार हो रही रूसी बमबारी में अब तक 148 बच्चों की मौत हुई है।
- रूस की सेना ने यूक्रेन के दि्नप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में स्थित सैन्य बेस पर हमला किया है। यूक्रेनी मीडिया के अनुसार यहां के गवर्नर वैलेंटिन रेजनिचेंको ने कहा कि हमले में दो लोगों की मौत हुई है और पांच लोग घायल हुए हैं।

मोदी की परीक्षा पे चर्चा: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों से कहा-

टॉपर्स को न करें फॉलो, खुद की रणनीति करें तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज परीक्षा पे चर्चा के दौरान 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों से बात की। कार्यक्रम नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित हुआ। 2=30 घंटे तक चले कार्यक्रम में पीएम ने करीब 1 हजार छात्रों से सीधी बात की और उनके सवालों के जवाब भी दिए। इसमें कई तरह के सवाल शामिल रहे, जैसे एग्जाम के कारण तनाव को कैसे कम करें, मोटिवेशन के लिए क्या करें, मां-बाप को सपनों के बारे में कैसे समझाएं। छात्र-छात्राओं के अभिभावक और टीचर्स भी कार्यक्रम में शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में पीएम ने कहा कि परीक्षा की टेंशन नहीं होनी चाहिए। परीक्षा को त्योहार बना दें तो उसमें रंग भर जाएंगे। पीएम ने परीक्षा से डर के सवाल के जवाब में कहा कि परीक्षा जीवन का सहज हिस्सा है। इससे डरना नहीं चाहिए। आप पहले भी परीक्षा दे चुके हैं। अपने अनुभवों को ताकत बनाएं। जो करते आए हैं उसमें विश्वास करें। अब हम एग्जाम देते-देते एग्जाम प्रूफ हो गए हैं। पीएम से दूसरा सवाल सोशल मीडिया की एडिक्शन के बारे में पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि जब आप ऑनलाइन पढ़ाई करते हैं तो क्या आप सच में पढ़ाई करते हैं? दोष

ऑनलाइन या ऑफलाइन का नहीं है। क्लास में भी कई बार आपका शरीर क्लास में होता है और मन कहीं और होता है। पीएम ने कहा कि जो चीजें ऑफलाइन होती हैं, वही ऑनलाइन भी होती हैं। इसका मतलब है कि माध्यम समस्या नहीं है, मन समस्या है। माध्यम ऑनलाइन हो या ऑफलाइन, अगर मन पूरा उसमें डूबा हुआ है, तो आपके लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन का कोई फर्क नहीं पड़ेगा। पीएम ने कहा कि आज हम डिजिटल गैजेट के माध्यम से बड़ी आसानी से चीजों को पा सकते हैं। हमें इसे एक अवसर मानना चाहिए, न कि समस्या। हमें कोशिश करनी चाहिए कि ऑनलाइन पढ़ाई को एक रिवॉर्ड के रूप में अपने टाइमटेबल में रखें। ऑनलाइन पाने के लिए है और ऑफलाइन बनने के लिए है। मुझे कितना ज्ञान अर्जित करना है मैं अपने मोबाइल फोन पर ले आऊंगा, जो मैंने वहां पाया है, ऑफलाइन में मैं उसे पनपने का अवसर दूंगा। ऑनलाइन को अपना आधार मजबूत करने के लिए उपयोग करें और ऑफलाइन में जाकर उसे साकार करें।

खेलना खिलने के लिए अनिवार्य

न्यू एजुकेशन पॉलिसी के सवाल पर पीएम ने कहा कि यह न्यू नहीं नेशनल एजुकेशन पॉलिसी है, जो व्यक्तित्व के विकास पर जोर दे रही है। ज्ञान के भंडार से ज्यादा जरूरी स्किल डेवलपमेंट है। हमने इस तरह का खाका बनाया है, जिसमें अगर पढ़ाई के बीच में आपको मन ना लगे, तो आप छोड़ कर दूसरा कोर्स भी कर सकते हैं। हमें 21वीं सदी के अनुकूल अपनी सारी व्यवस्थाओं और सारी नीतियों को ढालना चाहिए। अगर हम अपने आपको इन्वॉल्व नहीं करेंगे, तो हम ठहर जाएंगे और पिछड़ जाएंगे। पीएम ने कहा कि खेले बिना कोई खिल नहीं सकता। किताबों में जो हम पढ़ते हैं, उसे आसानी से खेल के मैदान से सीखा जा सकता है। पीएम ने मां-बाप को बच्चों की सिचुएशन समझने के सवाल के जवाब में कहा कि मां-बाप जो अपने जीवन में करना चाहते थे, उसे बच्चों पर लागू करना चाहते हैं। माता-पिता आज के दौर में अपनी महत्वाकांक्षा और सपने को बच्चों पर थोपने की कोशिश करते हैं। दूसरी बात टीचर भी अपने स्कूल का उदाहरण देकर उस पर दबाव बनाते हैं। हम बच्चों के स्किल को समझने की कोशिश नहीं करते हैं, जिससे कई बार बच्चे लड़खड़ा जाते हैं।

भ्रष्टाचार की नहरों में पानी की जगह पैसा बहाया कमलनाथ सरकार ने : डॉ.मिश्रा

भोपाल। जल संसाधन विभाग में 877 करोड़ का घोटाला उजागर होने के बाद तत्कालीन कमलनाथ सरकार एक बार फिर कटघरे में आ गयी है। प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि इससे कल्पना की जा सकती है कि कमलनाथ सरकार किस हद तक भ्रटाचार में डूबी थी । उसने किसानों को पानी देने की जगह उसमे पैसा बहाकर नहरे ही सूखा डाली। उन्होंने कहा कि ईओडब्ल्यू इस मामले की जांच कर रहा है।दोषी कितना भी बड़ा क्यों नही हो , उसे बख्शा नहीं जाएगा।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि किसानों को दो लाख का कर्ज माफ के नाम पर धोखा देने वाली कमलनाथ सरकार का एक बार फिर किसानों के साथ छल सामने आया है। इस मामले ने यह भी सिद्ध कर दिया है कि कमलनाथ सरकार ने अपने 15 महीने के कार्यकाल में एक ही काम किया और वह है भ्रष्टाचार।इस मामले में किसानों के नाम पर कमलनाथ सरकार ने 877 करोड़ रुपए काम से पहले ही एडवांस में कंपनियों को दे दिए। इन कंपनियों ने काम ही नही किया। मेंटेना और टाटा कंपनी तो पैसा लेने के बाद काम ही भूल गयी। भ्रष्टाचार के पैसे नहरों में इस तरह बहाए गए कि किसानों की नहरे ही सूखा दी गयी।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि इस मामले में कई अधिकारियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए है। जांच चल रही है। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा फिर घोटाले की जांच जारी है जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्यवाही होगी। कोई कितना भी बड़ा और कितना भी प्रभावशाली क्यों नहीं हो, बख्शा नही जाएगा।

असम में अब शांतिपूर्ण माहौल: सरमा

गुवाहटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिसव सरमा ने आज कहा कि राज्य के अधिकांश हिस्सों से अफ्सपा हटने के बाद यहां शांतिपूर्ण माहौल का नया दौर शुरू हो गया है। उन्होंने इस निर्णय के लिए पीएम और गृह मंत्री का आभार भी व्यक्त किया।

श्रीलंका में दर्जनों लोग गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका में राष्ट्रपति आवास के पास विरोध प्रदर्शन के बाद दर्जनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि ये लोग वहां के आर्थिक संकट को लेकर राष्ट्रपति को पद से इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं जिसके चलते आज हिंसक प्रदर्शन किया गया।

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर बोला हमला

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज कर्नाटक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक को

संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है, बेरोजगारी और महंगाई बेतहाशा बढ़ रही है और लोग इससे अब परेशान हो चुके हैं। राहुल ने साथ ही कहा कि बीजेपी चाहे तो भी भारत में लोगों को रोजगार नहीं दे सकती क्योंकि उन्होंने रोजगार देने वाले क्षेत्रों को नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य गरीबों का पैसा छीनकर 3-4 सबसे बड़े उद्योगपतियों के हवाले करने का है।

अमित शाह ने शिवकुमार स्वामीजी की 115वीं जयंती कार्यक्रम में हिस्सा लिया

बेंगलुरु। कर्नाटक में आज गृह मंत्री अमित शाह ने तुमकुरु में सिद्धगंगा मठ के श्री शिवकुमार स्वामीजी की 115वीं जयंती कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्रक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि शिवकुमार स्वामीजी ने अपने कर्म से जो संदेश दिया जो युगों-युगों तक याद रहने वाला है और इस मठ पर जो भी आता है वो कभी भी भूखा वापस नहीं जाता है।

पीएम ने दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दिवंगत शिवाकुमारा स्वामी की 115वीं जयंती के मौके पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि आध्यात्मिक नेता को उनकी सामुदायिक सेवा के लिए हमेशा याद किया जाएगा। ट्विटर पर प्रधानमंत्री मोदी ने फोटो शेयर की और कहा, मैंने श्री श्री शिवकुमार स्वामीगालु की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। वे अनगिनत लोगों के दिलों में रहते हैं। हम उनकी सामुदायिक सेवाओं, हेल्थकेयर ओर शिक्षा पर जोर के लिए हमेशा उन्हें याद रखेंगे। हम उनके सपनों को पूरा करने के लिए काम जारी रखेंगे। 2019 में मन की बात कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने शिवकुमार को श्रद्धांजलि दी थी और कहा था कि उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज की सेवा और सैंकड़ों लोगों की शिक्षा सुविधाओं को बेहतर बनाने में लगा दिया।

उप्र में दस से महिला सुरक्षा का विशेष अभियान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार का फोकस महिला सुरक्षा के साथ नारी शक्तिकरण पर रहता है। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल में प्रदेश की कानून-व्यवस्था को शीर्ष वरीयता पर रखने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को भी महिला सुरक्षा को लेकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक तथा शासन व पुलिस के शीर्ष अधिकारियों के साथ योजना तैयार की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर दस अप्रैल से प्रदेश भर में मिशन शक्ति के अंतर्गत कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। महिला सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता में शामिल है।

अमेरिकी चेतावनी के बीच रूस ने कहा- भारत जो चाहे, हम देने को तैयार, पुतिन ने मोदी को थैंक यू भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन जंग के बीच भारत दौरे पर पहुंचे रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने आज नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने मीडिया से कहा कि हमारे राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए थैंक्यू भेजा हैं। भारत और रूस लंबे वक्त से डिफेंस पार्टनरशिप डेवलप करते रहे हैं। हम दोनों ही विश्व व्यवस्था में संतुलन बनाए रखना चाहते हैं। लावरोव ने यूक्रेन मुद्दे पर भारत की तारीफ करते हुए कहा कि भारत बिना किसी दबाव में आए सूझबूझ के साथ आगे बढ़ रहा है। मेरा मानना ??है कि भारतीय विदेश नीति की खासियत बिना किसी दबाव में आए अपने राष्ट्रीय हितों पर ध्यान केंद्रित करना है। रूसी संघ में इसी तरह की नीति है, यह हमें बड़ा देश बनाती है और यही हमें अच्छा और वफादार दोस्त और भागीदार बनाती है। रूसी विदेश मंत्री ने आगे कहा- भारत हमसे जो भी सामना खरीदना चाहता है हम उसकी आपूर्ति के लिए तैयार है। रूस और भारत के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं।

यूक्रेन युद्ध को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि, आप इसे युद्ध कह रहे हैं जो कि सच नहीं है। यह एक स्पेशल ऑपरेशन है, जिसमें यूक्रेनी आर्मी के इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया जा रहा है। हमारा सिर्फ इतना मकसद है कि आने वाले वक्त में कीव की सरकार रूस के लिए कोई खतरा न बन पाए।

क्या भारत पर अमेरिकी दबाव भारत-रूस संबंधों को प्रभावित करेगा? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि, मुझे इस बात में कोई शक नहीं है कोई दबाव हमारी पार्टनरशिप को प्रभावित नहीं कर पाएगा। वे (अमेरिका) दूसरे देशों को अपनी पॉलिटिक्स फॉलो करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। भारत रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थ बन सकता है, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत एक महत्वपूर्ण देश है। अगर भारत ऐसी भूमिका निभा सकता है जिसमें वो तार्किक रहते हुए अंतरराष्ट्रीय मसलों को सुलझाने के सुझाव दे सके तो हमें भारत की यह भूमिका मंजूर होगी।

24 फरवरी को यूक्रेन पर हुए रूसी हमले के बाद लावरोव की यह तीसरी विदेश यात्रा है। इससे पहले लावारोव ??????मार्च की शुरुआत में अपने यूक्रेनी समकक्ष से बातचीत के लिए तुर्की और चीन जा चुके हैं।

भारत-नेपाल मैत्री ट्रेन सेवा: कल पीएम मोदी व देउबा करेंगे उद्घाटन

पटना/ मधुबनी। पाकिस्तान व बांग्लादेश के बाद अब भारत और नेपाल के बीच भी ट्रेन सेवा शुरू होने जा रही है। बिहार के मधुबनी जिला स्थित जयनगर से नेपाल के जनकपुरधाम होते हुए कुर्था तक ट्रेन सेवा की शुरुआत शनिवार से हो जाएगी। शनिवार को दिल्ली में भारत व नेपाल के प्रधानमंत्री संयुक्त रूप से इसका वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इसे लेकर नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा दिल्ली पहुंच चुके हैं। मुख्य उद्घाटन समारोह जयनगर में होगा। इस ट्रेन सेवा से दोनों देशों के यात्रियों को लाभ होगा। ट्रेन पर नेपाल रेलवे का नियंत्रण होगा। खास बात यह है कि ट्रेन में भारत व नेपाल को छोड़ किसी अन्?य देश के नागरिक सफर नहीं कर सकेंगे। ट्रेन अभी जयनगर से कुर्था के बीच चलेगी। हालांकि, आने वाले दिनों में इसे वर्दीवास तक बढ़ाया जाना है।

भारत-नेपाल मैत्री ट्रेन सेवा शनिवार से शुरू: भारत-नेपाल मैत्री ट्रेन सेवा दो अप्रैल (शनिवार) से शुरू होने जा रही है। इसका उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा संयुक्त रूप से वर्चुअल तरीके से दिल्ली से करेंगे। डीआरएम आलोक अग्रवाल ने बताया कि ट्रेन के परिचालन की तैयारी पूरी कर ली गई है।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री आवास (शहरी) के लिए तीसरी किश्त की राशि 14 करोड़ 48 लाख रूपये जारी

भोपाल। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में हाउसिंग फॉर ऑल योजना में स्वीकृत बीएलसी घटक के आवासों के लिए तीसरी किश्त की राशि 14 करोड़ 48 लाख 90 हजार रूपये जारी कर दी गयी है। यह राशि उन 10 हजार 40 आवासों के लिए जारी की गयी है, जो 23 मार्च 2022 तक पूर्ण हो गये हैं। इन आवासों को कंपलीट स्तर की जियोटैगिंग के आधार पर राशि जारी की गयी। उल्लेखनीय है कि नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने सभी स्वीकृत प्रधानमंत्री आवासों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिये हैं। अपर आयुक्त सह मिशन संचालक डॉ. सतेन्द्र सिंह ने जानकारी दी है कि नगरीय निकाय छिंदवाड़ा में 590, हरदा में 3915, जबलपुर में 794, बुधनी में 403, मुरैना में 523, नसरूल्लागंज में 663, रेहटी में 151, सागर में 36 और सतना में 2965 आवासों के लिए तीसरी किश्त की राशि जारी की गयी है।

नरवाई जलाये नहीं लाभ कमाये : कृषि मंत्री पटेल

भोपाल। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने किसानों से अपील की है कि नरवाई को जलाये नहीं, उससे लाभ कमाये। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि खेतों में गेहूँ की फसल आ गई है और कई स्थानों पर कटाई भी शुरू हो गई है। खेतों में अधिकांश कटाई हार्वेस्टर से हो रही है। किसान बंधु नरवाई का समुचित उपयोग कर लाभ उठा सकते हैं। नरवाई से भूसा बनाये। भूसे का उपयोग पशु आहार में करें। गौ-शालाओं को उपलब्ध करायें। भूसे का विक्रय कर लाभ कमाये। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि नरवाई को जलाने से भूमि की उर्वरा शक्ति का ह्रास होता है और खेत की मिट्टी में मौजूद कीट मित्र भी जलकर नष्ट हो जाते हैं। कई बार आसपास की खड़ी फसलों को भी नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि नरवाई को जलाने से कभी-कभी बड़ी आगजनी और जनहानि होती है। अतः किसान भाई नरवाई न जलाए, बल्कि उसका उपयोग पशुआहार के रूप में करें।

मप्र में शराब सस्ती, दवा महंगी

बुखार, सर्दी जुकाम से लेकर सर्जरी में लगने वाली 872 दवाओं की कीमत बढ़ी; शराब के रेट 20 प्रतिशत घटे

भोपाल

मप्र अजब है, गजब भी है। आज से शराब सस्ती हो रही है। दवाएं महंगी हो गई हैं। दरअसल, शुक्रवार से नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत हो गई है। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने दवाओं के दामों में 10.7 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इससे सामान्य बीमारियों के इलाज में उपयोग की जाने वाली जरूरी 872 प्रकार की दवाओं की कीमतें बढ़ गई हैं। इससे गरीब मरीजों को जहां इलाज के लिए आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वहीं, शराब के रेट 20 फीसदी तक कम होने के बाद जाम छलकाने वालों को राहत दी गई है।

इन दवाओं की कीमतें बढ़ीं:- दवा व्यवसायियों का कहना है कि नई कीमतें लागू होने के बाद 1 अप्रैल से बुखार, इन्फेक्शन, हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर, त्वचा रोग और एनीमिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं महंगी हो जाएंगी। इसके अलावा पैरासिटामॉल, फेनोबार्बिटोन, फिनाइटोइन सोडियम, एजिथ्रोमाइसिन, सिप्रोफ्लोक्सासिन हाइड्रोक्लोराइड और मेट्रोनिडाजोल जैसी दवाओं की कीमतें भी बढ़ जाएंगी।

इसेंशियल लिस्ट की दवाएं भी होंगी महंगी

सबसे अहम बात ये है कि इस महंगाई की चपेट में वो दवाएं भी आएंगी, जो नेशनल इसेंशियल लिस्ट ऑफ मेडिसिन (एनईएलएम) में शामिल हैं। इस लिस्ट में एंटीबायोटिक्स, एंटी-इंफ्लेमेट्री ड्रग्स, कान-नाक और गले की दवाएं, एंटीसेप्टिक्स, पेन किलर, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल मेडिसिन और एंटी फंगल दवाएं शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इनकी कीमतों में भी काफी बढ़ोतरी हो सकती है। ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर 2013 के क्लॉज 16 एनपीपीए को प्रत्येक वर्ष के 1 अप्रैल को या उससे पहले पूर्ववर्ती कैलेंडर वर्ष के लिए एनुअल होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) के अनुसार अनुसूचित फॉर्मुलेशन की अधिकतम कीमत को संशोधित करने की अनुमति देता है। इसी आधार पर हर साल 1 अप्रैल से नई कीमतें लागू होती हैं। एनपीपीए ने शेड्यूल ड्रग्स के लिए कीमतों में 10.7 प्रतिशत इजाफे को हरी झंडी दे दी है। बता दें कि शेड्यूल ड्रग्स में आवश्यक दवाएं शामिल हैं और इनकी कीमतों पर नियंत्रण होता है। इनके दाम बगैर अनुमति नहीं बढ़ाए जा सकते हैं।

शराब के रेट क्यों घटे?

मप्र की नई आबकारी नीति के मुताबिक भारत में बनी विदेशी शराब की कीमतों में 20 फीसदी तक की कमी की गई है। विदेशी शराब पर एक्साइज ड्यूटी में तीन प्रतिशत की कमी की गई है। राज्य में उगाए गए अंगूर से बनी शराब पर कोई एक्साइज ड्यूटी नहीं लगेगी। बीते दिनों सीएम शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई बैठक में सरकार ने नई आबकारी नीति 2022-23 और हेरिटेज शराब नीति 2022 में प्रदेश में शराब की दुकानों की संख्या न बढ़ाने का निर्णय लिया था। अगले वित्तीय वर्ष 2022-23 से नए बार लाइसेंस को कलेक्टर द्वारा सरकार की ओर से निर्धारित मानदंडों के अनुसार मंजूरी दी जाएगी। नई आबकारी नीति के मुताबिक शराब की फुटकर बिक्री दरों में लगभग 20 प्रतिशत की कमी होगी। विदेशी शराब पर एक्साइज ड्यूटी 13 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी कर दी गई है। सभी जिलों की देशी/विदेशी शराब की दुकानों को छोटे सिंगल क्लस्टर की तर्ज पर चलाया जा सकता है।

मध्यप्रदेश ने निर्यात के क्षेत्र में रचे नये कीर्तिमान

» नीति आयोग की वर्ष 2021की रिपोर्ट में म.प्र. ने निर्यात में लगाई ऊँची छलांग

» वर्ष 2020 के 12वें स्थान से 7वें स्थान पर आया म.प्र.

भोपाल

मध्यप्रदेश ने निर्यात के क्षेत्र में कई नए कीर्तिमान स्थापित किये हैं, जिन पर नीति आयोग ने मुहर लगाई है। नीति आयोग द्वारा जारी की गई एक्सपोर्ट प्रीपेयर्डनेस इन्डेक्स सूची में मध्यप्रदेश ने 5 स्थानों की छलांग लगाते हुये 51.03 अंकों के साथ वर्ष 2021 में 7वां स्थान प्राप्त किया है, जबकि वर्ष 2020 में जारी सूची में प्रदेश का 12वां स्थान था। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का प्रदेश में बेहतर औद्योगिक वातावरण निर्मित करने के लिये आभार प्रकट किया। उन्होंने एमपी इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड एवं निर्यात संवर्धन हेतु कार्यरत टीम का उत्साह वर्धन किया। मध्यप्रदेश अन्य कई श्रेणियों में भी अग्रणी रहकर इतिहास रचा है। मध्यप्रदेश ने लैण्ड लॉक राज्यों को प्राप्त औसत अंक से अधिक अंक प्राप्त किये। प्रदेश ने सब - पिलर इन्स्टीट्यूशनल फ्रेम वर्क में 100 में से 100 अंक प्राप्त किये हैं। यह रिपोर्ट दर्शाती हैं कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने सब - पिलर इन्स्टीट्यूशनल फ्रेम वर्क के सभी सूचकों में पूर्णांक प्राप्त किये हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान 5 अप्रैल को करेंगे मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना लाँच

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 5 अप्रैल को मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना लाँच करेंगे। युवाओं को रोजगार सम्पन्न बनाने वाली इस महत्वाकांक्षी योजना का शुभारंभ अपरान्ह 4 बजे कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में होगा। आयुक्त उद्योग और एमएसएमई सचिव श्री पी. नरहरि ने बताया है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान की मंशानुरूप योजना को स्व-रोजगार फ्रेंडली बनाया गया है। इसमें युवाओं को स्वयं के रोजगार के लिए एक लाख से 50 लाख तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के परीक्षा पर संवाद कार्यक्रम का शासकीय आदर्श उ. मा. विद्यालय में दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री चौहान ने करंज और कदम्ब के पौधे लगाए

उज्जवल भूमि वेलफेयर एसोसिएशन ने भी किया पौध-रोपण

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट सिटी पार्क में करंज और कदंब के पौधे लगाए। उज्जवल भूमि सोशल कल्चरल अवेयरनेस वेलफेयर एसोसिएशन के श्री मनीष ताम्रकार, सुश्री फरहा खातून, श्री विनीत कहार और श्री हिमांशु बानसौदा ने भी पौध-रोपण किया। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. दुर्गेश वाधवानी भी उपस्थित थे। संस्था द्वारा मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थान पर स्वच्छता, पर्यावरण संबंधी कार्य किए जा रहे हैं, जिसमें तालाब की सफाई, वेस्ट सेग्रीग्रेशन और स्वास्थ्य से संबंधित जागरूकता शामिल हैं। बच्चों को पर्सनल हाईजीन से

संबंधित जागरूकता, महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए उन्हें अधिकारों से अवगत करवाने और आमजन के व्यवहार परिवर्तन के लिए संस्था जमीनी स्तर पर निरंतर कार्यरत है। आज लगाए पौधों में करंज, आयुर्वेदिक चिकित्सा में महत्वपूर्ण माना गया है। करंज का उपयोग धार्मिक कार्यों में भी किया जाता है। कदंब, आयुर्वेद में अपने औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है। इसके फूलों का विशेष महत्व है। प्राचीन वेदों और रचनाओं में कदंब के सुगन्धित फूलों का उल्लेख मिलता है।

श्री रामनवमी पर भगवान श्रीराम की भक्ति में मग्न होगा प्रदेश

प्रदेश के 12 जिलों में भगवान श्री राम को समर्पित कला और साहित्य से संबंधित होगी गतिविधियाँ

भोपाल

संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने बताया कि श्री रामनवमी पर 10 अप्रैल को प्रदेश में भगवान श्रीराम को समर्पित भक्तिमय और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा प्रदेश भगवान श्रीराम की भक्ति में मग्न होगा। भगवान श्री राम की नगरी ओरछा में श्रीरामराज्य कला दीर्घा का लोकार्पण किया जाएगा। पवित्र बेतवा नदी के तट पर दीपोत्सव में 5 लाख दीये प्रज्जवलित कर भगवान श्रीराम के प्रति आस्था प्रकट की जाएगी। मंत्री सुश्री ठाकुर ने बताया कि ओरछा के साथ चित्रकूट में 4 से 10 अप्रैल 2022 तक श्रीराम लीला उत्सव होगा। साथ ही उज्जैन, दमोह, शहडोल, उमरिया, विदिशा, शिवपुरी, नीमच, पन्ना, रतलाम और राजगढ़ में भगवान श्रीराम से जुड़े नृत्य, नाटक, भक्ति गायन और अन्य कार्यक्रम होंगे। इस तरह प्रदेश के 12 जिलों में आमजन के लिए भगवान श्रीराम को समर्पित कला और साहित्य से संबंधित गतिविधियाँ होंगी।

श्रीराम नवमी के पवित्र अवसर पर ओरछा गौरव दिवस

मंत्री सुश्री ठाकुर ने बताया कि 2 से 10 अप्रैल तक ओरछा गौरव दिवस मनाया जायेगा। ओरछा की लोक प्रसिद्धि के ऐतिहासिक चरित नायकों पर केन्द्रित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ संयोजित की जायेंगी। ओरछा नगर के वैशिष्ट्य को गरिमा प्रदान करने वाले स्थापत्यों को विभिन्न रंगों के प्रकाश उपकरणों से सुसज्जित किया जाएगा। चरित नायक लाला हरदौल तथा महारानी गणेश कुँवरि आधारित नृत्य-नाटिकाओं के मंचन नवरात्रि के पूरे नव दिवसों में होंगे। श्रीराम नवमी पर बुन्देलखण्ड अंचल की पारम्परिक गायन मण्डलियों को आमंत्रित कर नगर के अलग-अलग स्थानों, आवासों के चबूतरों पर बुन्देली श्रीराम कथा गीतों की प्रस्तुतियों का संयोजन किया जायेगा। इन प्रस्तुतियों से स्थानीय आमजन अपनी बोली-भाषा में इन चरित नायकों की गौरव गाथा के साथ ही श्रीरामकथा के बुन्देली लोकपदों को देख-सुन सकेंगे।

ओरछा मंदिर में 'श्रीरामराज्य कला' दीर्घा का लोकार्पण

मंत्री सुश्री ठाकुर ने बताया कि श्रीरामराजा सरकार मंदिर परिसर ओरछा में संस्कृति विभाग द्वारा भगवान श्रीराम के चरित आधारित 卐श्रीरामराज्य卐 कला दीर्घा तैयार की गई है। इसमें भारत के लगभग सभी राज्यों की लोकचित्र शैलियों में भगवान श्रीराम के एक-एक चरित का चित्रांकन किया गया है। भगवान श्रीराम के 36 गुणों और उनकी विशिष्टता को चित्र अभिव्यक्ति दी गई है। साथ ही उनके राज्याभिषेक प्रसंग को झाँकी के रूप में कलात्मक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। मंत्री सुश्री ठाकुर ने बताया कि भगवान श्रीराम पूरे देश में मात्र ओरछा में ही राजा के रूप में लोक पूज्य है।

आयोजन की रणनीति पर हुई मंत्री समूह की बैठक

प्रदेश में 2 से 11 मई तक मनेगा लाड़ली लक्ष्मी उत्सव

भोपाल

प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना में अब तक लगभग 43 लाख बेटियों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस योजना का दायरा बढ़ाने का निर्णय लिया है। योजना के दूसरे चरण की शुरूआत 2 मई से की जाकर 11 मई तक लाड़ली लक्ष्मी उत्सव मनाया जायेगा। उत्सव के आयोजन की रणनीति एवं रूपरेखा तैयार करने के लिए गुरूवार को मंत्रालय में तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया और संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर की उपस्थिति में मंत्री समूह समिति की बैठक हुई। अपर मुख्य सचिव महिला-बाल विकास

श्री अशोक शाह, संचालक महिला बाल विकास श्री राम राव भोंसले और उप सचिव महिला-बाल विकास श्री अजय कटसेरिया उपस्थित थे।

खेल मंत्री श्रीमती सिंधिया ने 2 से 11 मई तक होने वाले लाड़ली लक्ष्मी उत्सव की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने योजना के महत्व की जानकारी पंचायत स्तर तक पहुँचाने होर्डिंग्स और पंचायत भवनों पर डिजिटल वॉल पेंटिंग कराने का सुझाव भी दिया। संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने अपराजिता कार्यक्रम में किशोरियों को लाठी चलाने और तलवार बाजी का प्रशिक्षण देने का सुझाव दिया। अपर मुख्य सचिव महिला-बाल विकास श्री अशोक शाह ने बताया कि लाड़ली उत्सव के दौरान सृजनात्मक स्पर्धाओं, देशी खेलों की प्रतियोगिता, किशोरियों का स्वास्थ्य परीक्षण आदि कार्यक्रम किये जायेंगे।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

PRESS ITDC
ITDC NEWS

कर्तव्यपरायणता से संवेदनशील गांव के निवासियों के जीवन में परिवर्तन ला रहीं उमेश्वरी

कोण्डागांव। संवेदनशील एवं जिला मुख्यालय से सुदूर अंचलों में बसे गांवों में अक्सर बारहमासी सड़कों तथा आधारभूत संरचनाओं के अभाव में अक्सर इन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को आधारभूत सेवाओं से वंचित रहना पड़ जाता है। इन क्षेत्रों में पहुंच के अभाव में नियमित रूप से स्वास्थ्य एवं अन्य सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों का भी पहुंचना संभव नहीं हो पाता है। ऐसे में कुछ लोग अपनी कर्तव्यपरायणता का उदाहरण देते हुए लोगों की सेवा में अपने पूरे सामर्थ्य से कार्य करते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण कोण्डागांव जिले में अत्यन्त संवेदनशील कहे जाने वाले तथा जिले के अंतिम छोर पर बसे ग्राम कुधूर में देखने को मिलता है। जहां पदस्थ एएनएम उमेश्वरी नाग द्वारा लोगों की सेवा के लिए अथक प्रयास किया जा रहा है।

इस संबंध में उमेश्वरी बताती हैं कि उन्हें यहां कार्य करते हुए 05 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि हेतु जिला प्रशासन द्वारा मुझे यहां प्रथम बार एएनएम के रूप में पदस्थापना दी गई थी। जहां पहले से आरएचओ पिलाराम कोर्राम अकेले कार्य कर रहे थे। जब नियुक्ति हुई तो इस क्षेत्र में नियमित टीकाकरण का प्रतिशत बहुत कम हुआ करता था। ग्रामीणों में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के अभाव के कारण लोग मुझे देखकर स्वयं को अपने घरों में बंद कर लेते थे। लोगों से बात करना उन्हें स्वास्थ्य संबंधित चीजों के बारे में समझा पाना बहुत ही कठिन हुआ करता था। गांव में उपस्वास्थ्य केंद्र भी नहीं होने से 10 से 15 किलोमीटर का सफर पैदल और बरसात के दिनों में नाव के जरिए तय कर गांव आना पड़ता था।

इस संबंध में प्रभारी सुपरवाईजर डीगेश साहू ने बताया कि ये उमेश्वरी की जिद् एवं जुनून था कि इस गांव में वे लोगों तक पहुंच कर उन्हें स्वास्थ्य एवं शिक्षा के संबंध में बेहतर से बेहतर जानकारी देकर उनका भय समाप्त करेंगी। इसके लिए उन्होंने सबसे पहले स्थानीय हल्बी भाषा सीखी तत्पश्चात लोगों से घर-घर जाकर मिलने लगी। जिससे धीरे-धीरे लोगों के व्यवहार में परिवर्तन आया और सकारात्मक परिणाम दिखने लगे किंतु नियमित टीकाकरण हेतु उसके बाद भी गांव में विरोध जारी रहा केवल दवाइयां खाने तक ही ग्रामीणों द्वारा उन्हें सहमति प्राप्त हुई। गांव में जाने पर ग्रामीण अपने बच्चों को भी उनके सामने तक नहीं लेकर आते थे।

ऐसे में उनके सतत् प्रयास से उन्हें सफलता हासिल हुई। जब गांव के लोगों ने स्वयं महसूस किया कि उमेश्वरी द्वारा दी गई दवाइयों से उनका स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है। तब ग्रामीणों ने अपने बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य हेतु नियमित टीकाकरण की महत्व को समझते हुए अपने बच्चों का नियमित टीकाकरण करवाना शुरू किया। अब की स्थिति में बच्चों का शत् प्रतिशत टीकाकरण हो रहा है। जिसमें से 95 से 98 प्रतिशत बच्चों का नियमित रूप से पूर्ण टीकाकरण किया जा रहा है। इसके साथ ही गांव में अब उप स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित हो गया है। जिसके निर्माण कार्य को नक्सलियों द्वारा निर्माण के दौरान तीन-चार बार रोकने हेतु तोड़ा भी गया था। परंतु अब यह केन्द्र पूरी तरह तैयार है और उमेश्वरी की कर्मठता एवं कर्तव्यपरायणता का ही परिणाम है कि अब ग्रामीण अपने मन से बिना किसी डर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर स्वास्थ्य सेवा लेने हेतु उप स्वास्थ्य केन्द्र तक आने में संकोच नहीं करते हैं।

जनसमुदाय का उमड़ा हुजूम विजय भैया अमर रहें के लगें नारे

पंचतत्व में विलीन हुए युवा भाजपा नेता विजय राजवाड़े

संतोष जायसवाल

कोरिया-बैकुंठपुर। पूर्व कैबिनेट मंत्री भईया लाल राजवाड़े के सुपुत्र जिला पंचायत सदस्य और लोकप्रिय युवा भाजपा नेता विजय राजवाड़े का विगत 31 मार्च की सुबह राजधानी रायपुर के सुयश हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह जानकारी मिलते ही उनके निवास स्थान में पार्टी कार्यकर्ताओं सहित लोगो का हुजूम उमड़ पड़ा सभी की आंखे नम रही। मिली जानकारी के अनुसार विजय राजवाड़े विगत लंबे समय से लीवर सोरायसिस की समस्या से ग्रसित रहे। गुरुवार की रात उनके पार्थिव शरीर को गृहग्राम सरडी लाया गया।शुक्रवार की सुबह गृहग्राम सरडी में उनका विधि पूर्वक अंतिम संस्कार किया गया।

लोगो का उमड़ा हुजूम विजय भईया अमर रहे की लगे नारे

कोरिया जिला पंचायत सदस्य विजय राजवाड़े के नही रहने की खबर लगते ही जिले भर की जनता, जनप्रतिनिधि, भाजपा के सभी जिला और मंडल कार्यकर्ता, कांग्रेस के पदाधिकारी, और जिला प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्र की जनता उपस्थित रही। सभी को आंखे नम रही किसी को विश्वास ही नहीं रहा की इतने कम समय में विजय राजवाड़े ने दुनिया को अलविदा कह दिया। लोगो ने भरे लगे से विजय भईया अमर रहे के नारे लगाए।

जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक प्रमुखों ने दी श्रद्धांजलि

स्व.विजय राजवाड़े को श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालो में पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा, भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल, पूर्व विधायक दीपक पटेल,पूर्व विधायक श्यामबिहारी जायसवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, संतोष जायसवाल, अशोक जायसवाल, राजेंद्र चक्रधारी,अवध बिहारी जायसवाल, गजाधर जायसवाल सभी मंडल अध्यक्ष, महिला मोर्चा की पदाधिकारी, कांग्रेस पार्टी से योगेश शुक्ला, अजय सिंह, शैलेन्द्र सिंह, ओमकार पाण्डेय, अशोक श्रीवास्तव, धनेन्द्र पाण्डेय, सहित कई कांग्रेस के पदाधिकारी,जिले के पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर, चिकत्सकगण, प्रशासनिक अधिकारी एवम कर्मचारीगणों के अलावा भारी संख्या में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे

न्यूज़ ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने स्वर्गीय बिसाहू दास महंत प्रतिमा का किया अनावरण

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज जांजगीर-चांपा जिले के विकासखण्ड मुख्यालय सक्ती के हटरी चौक में अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री स्वर्गीय बिसाहू दास महंत की जयंती के अवसर पर उनकी आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। अनावरण के दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत, राजस्व मंत्री एवं जिले के प्रभारी श्री जयसिंह अग्रवाल, सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुंदर दास, आरडीए अध्यक्ष श्री सुभाष धुप्पड़ सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सीएम ने नव संवत्सर, चैत्र नवरात्रि, गुड़ी पड़वा और चेट्रीचंड्र की दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को नव संवत्सर, चैत्र नवरात्रि, गुड़ी पड़वा और चेट्रीचंड्र की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने इस अवसर पर सभी नागरिकों के लिए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि 2 अप्रैल से हिन्दू नववर्ष, नव संवत्सर और चैत्र नवरात्रि प्रारंभ हो रही है, इस दिन बैसाखी, गुड़ी पड़वा और चेट्रीचंड का पर्व भी मनाया जाएगा। चैत्र नवरात्रि का पर्व शक्ति की उपासना का पर्व है, जिसे छत्तीसगढ़ में बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। माता भगवती छत्तीसगढ़ में मां शीतला, दंतेश्वरी, महामाया, बम्लेश्वरी, कंकाली, गंगा मैया, बिलईमाता, चंद्रहासिनी देवी तथा अन्य स्वरूपों में विराजमान है। उन्होंने माता भगवती से प्रार्थना की है कि उनका आशीष प्रदेशवासियों पर बना रहे और प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर हो।

तिलकेजा एवं सोनपुरी ग्राम प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित

रायपुर। राज्य सरकार ने प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कोरबा जिले के ग्राम सोनपुरी, पटवारी हल्का नं. 07 के कम्पार्मेंट नं. 699 , टोपाज शीट जी के रकबा 1225 वर्गमीटर क्षेत्र तथा ग्राम तिलकेजा, पटवारी हल्का नं. 18 स्थित खसरा नं. 1455/2, रकबा 1500 वर्गमीटर क्षेत्र के इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रयोजनों के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया है। जारी अधिसूचना के अनुसार प्रतिबंधित स्थानों के संबंध में जानकारी देना, उसका विनाश करना, बाधा पहुंचाना या उसमें हस्तक्षेप करना पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा।

श्री संतोषी मेला एवं नव दुर्गा दर्शन की तैयारी जोरों पर

जांजगीर - चांपा । नवरात्र में शिवनी में मां संतोषी के प्रांगण में होने वाले मेले की तैयारी जोरों से चल रही है 2 अप्रैल 2022 से 10 अप्रैल 2022 मेले की तैयारी को देखते हुए श्री संतोषी सेवा समिति की बैठक हुई बैठक में श्रद्धालुओं के सुविधा को देखते हुए बहुत से तैयारी की गई है. जिसमें आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो समिति के अध्यक्ष शरद कुमार राठौर ने बताया है की मेले को देखते हुए सभी व्यापारियों को जगह का आवंटन किया जा रहा है मेले में मनोरंजन के लिए टॉकीज झूले होटल खिलौने की दुकान सहित सभी व्यापारियों का आना शुरू हो गया है उन्होंने उम्मीद जताई कि 2 साल बाद लग रहे मेले में आस-पास के गांव में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिल रहा है इस अवसर पर जवारा कलश दीप ज्योति तेल ज्योति भी समिति की ओर से प्रज्वलित किए जाएंगे मेले की

तैयारियों में शैलेंद्र पांडे राजेश कुमार राठौर राधेश्याम राठौर धर्मेंद्र कुमार बरेट मुकेश शर्मा कार्तिकेश्वर पांडे लक्ष्मी राठौर अशोक ब्रेड मुकेश राठौर विश्वनाथ यादव कमल राठौर शिवकुमार बरेट दीपक देवांगन मनोज राठौर प्रदीप बरेट गणेश पत्रकार तिहारू यादव संतोष बरेट सहित ग्राम वासी उत्साह से लगे हुए हैं

त्रुटि वश जारी कलेक्टर को नोटिस, एसडीएम ने मांगी माफी

बलौदाबाजार। त्रुटि वंश जारी कलेक्टर को नोटिस मामले में भाटापारा एसडीएम लवीना पांडेय ने कलेक्टर डोमन सिंह को लिखित में अवगत कराते हुए माफी मांगी है। साथ ही भविष्य में इस तरह की पुनारावृत्ति नही होने उल्लेख किया है। उन्होंने इस संबंध में बताया कि ज्ञापन के स्थान पर टंकण त्रुटिवशं कारण बताओ नोटिस अंकित हो गया था।जिला कार्यालय से वन अधिकार पट्टा वितरण की जानकारी त्वरित मंगाई गई थी। जिसमें जानकारी तैयार करने में संबंधित लिपिक द्वारा टंकण में ज्ञापन के स्थान पर कारण बताओ नोटिरा अंकित कर दिया था। जो कि कॉपी पेस्ट था। मैं एक अति आवश्यक बैठक में व्यस्त होने के कारण हस्ताक्षर कर जानकारी प्रेषित कर दी थी। उक्त त्रुटि का संज्ञान आने पर तत्काल 2 मिनट के भीतर सुधार कर पुनः जानकारी

प्रेषित किया गया। इस टंकण त्रुटि के संबंध संबंधित लिपिक से स्पष्टीकरण लिया गया। उन्होंने अपने लिखित जवाब में भूलवश ज्ञापन के स्थान में कारण बताओ नोटिस अंकित होना बताते हुए क्षमा याचना की है। उन्होंने आगें बताया कि मेरे द्वारा कार्यालयीन पत्र कमांक 302/अ.वि.अ./ वाचक-1/2022 भाटापारा दिनांक 31 मार्च 2022 को कार्य में अधिक व्यस्तता होने कारण हस्ताक्षर करना स्वीकार करते हुये तथा शीघ्र सुधार कर संशोधित ज्ञापन प्रेषित किया गया। इस संबंध में कलेक्टर को अवगत कराते हुए मेरे द्वारा भी क्षमा मांगी गई है। साथ ही इस तरह की गलती भविष्य में पुनारावृत्ति नही होने का उल्लेख कर लिखित माफी मांगी गयी है।

भूलवंश त्रुटि-कलेक्टर कलेक्टर डोमन सिंह ने बताया कि यह गलती हम सभी के ध्यान में था। उन्होंने 2 मिनट में ही पत्र को ग्रुप से हटाकर नवीन जानकारी जिला कार्यालय को भेजी गयी थी। और पत्र को देखकर भी यह टंकण त्रुटि लगता है। उस पर उन्होंने मुझें व्यक्तिगत रूप से जानकारी देते हुए माफी भी मांगी है।

सांस्कृतिक मंच व बाउंड्रीवॉल को लेकर जनपद कार्यालय में सभापति को छात्रों ने सौंपा ज्ञापन

हरजीत कुमार

मुंगेली (लोरमी)। शासकीय महाविद्यालय कोतरी में सांस्कृतिक मंच व बाउंड्रीवॉल निर्माण कराने के लिए जनपद सदस्य सभापति महोदया दुर्गा हीरालाल साहू व सरपंच ग्राम पंचायत कोतरी तोषन साहू जी को छात्र प्रतिनिधि नवीन सिंह ठाकुर ने ज्ञापन सौंपकर छात्रों की मांग को अतिशीघ्र पूर्ण कराने की आग्रह किया। जिस पर ध्यान आकर्षित करते हुए सभापति व सरपंच महोदय ने कार्य को पूरा करने की अस्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने वालों में संस्कार दुबे,जय कश्यप,बसंत कश्यप,ताम्रध्वज कश्यप उपस्थित रहा।

बहन की शादी का कार्ड बांटने निकला भाई, खाई में जा गिरी बाइक

दल्ली-राजहरा। डौण्डी ब्लाक में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। बहन की शादी का कार्ड बांटने गए भाई और उसके की बाइक पेड़ से टकरा कर खाई में गिरने से दोनों की मौके पर मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, बालोद जिले के डौंडी थाना क्षेत्र से शुक्रवार को दो युवकों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत में हो गई। डौंडी थाना क्षेत्र के पचेड़ा गांव का युवक, दिलीप कुमार उम्र 20 वर्ष, अपने दोस्त नवीन कुमार उम्र 19वर्ष के साथ अपनी बहन का शादी का कार्ड बांटने सुबह निकला था। देर रात घर

वापस आते समय ठेमाबुजुर्ग गांव के आगे पोल्ट्रीफार्म के पास पेड़ से टकरा कर मोटरसाइकिल खाई में गिर गई। जिससे दोनों युवकों की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही शादी का घर मातम में तब्दील हो गया। मौके पर पहुंची डौंडी पुलिस शव का पंचनामा कर मामले के जांच में जुट गई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सक्ती में विकास कार्यों का किया लोकार्पण

सक्ती को दी 226 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज जांजगीर-चांपा जिले के विकासखण्ड मुख्यालय सक्ती में क्षेत्रवासियों को 226 करोड़ 26 लाख 90 हजार रुपए के 30 विभिन्न कार्यों की सौगात दी। इनमें 13 करोड़ 67 लाख 80 हजार रुपए 11 विभिन्न कार्यों का लोकार्पण और 212 करोड़ 59 लाख रुपए की लागत के 19 कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास के कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ.चरणदास महंत, राजस्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल, सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत रामसुंदर दास, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री सुभाष धुप्पड़, विधायक श्री रामकुमार यादव एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने सक्ती में जिन कार्यों का लोकार्पण किया, उनमें 10.79 करोड़ की लागत से निर्मित 4 सड़कों, 2.53 करोड़ रुपए की लागत से मरकामगोढी से खुशउडेरा अमलीडीह पहुंच मार्ग, 2.22 करोड़ रूपए की लगात से ग्राम बघौदा से सुखरीकला तक मार्ग, 2.50 करोड रुपए की लागत से ग्राम कड़ारी से गत्वा मार्ग और 3.54 लाख रूपए की लागत से संजयग्राम से बस्ती बाराद्वार मार्ग शामिल हैं। इसके अलावा 20 लाख रूपए की लागत से शासकीय चिकित्सालय भवन सक्ती में ऑक्सीजन प्लांट के लिए शेड निर्माण, ग्राम गड़गोड़ी में 30 लाख रूपए की लागत से 2 यूनिट वर्क शेड स्ट्रांग रूम, 2 करोड़ 5 लाख 70 हजार रूपए की लागत से दारंग एनीकट का लोकार्पण शामिल हैं। इसके अलावा बम्हनीडीह के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक बाराद्वार में 7 लाख रूपए की लागत से कला एवं संस्कृति कक्ष निर्माण, 7.6 लाख रूपए की लागत से प्रयोगशाला कक्ष निर्माण, 9 लाख रूपए की लागत से पुस्तकालय कक्ष निर्माण और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बीडीएम सारागांव

में 7 लाख रूपए की लागत से कम्प्यूटर कक्ष निर्माण कार्य का लोकार्पण हुआ।

मुख्यमंत्री ने जिन कार्यों का भूमिपूजन किया, उनमें जल आवर्धन योजना लागत 101 करोड़, 52 लाख रुपए, जल जीवन मिशन अंतर्गत 96 करोड़ 74 लाख रूपए के लागत से ग्रामीण जल प्रदाय योजना इसी प्रकार 11 करोड़ रूपए की लागत से मल्दी सुवाडेरा (व्हाया नंदौरकला) अचानकपुर मार्ग, ग्राम बुकुरामुंडा बस्ती से धनपुर जर्वे मार्ग तक, बैलाचूहा से जगदल्ली, सीसी सड़क ग्राम धनपुर से ग्राम गुढ़वा तक ग्राम टेमर में सीसी सड़क सह नाली निर्माण का भूमिपूजन शामिल है। इन सभी स्थापनों के लिए 78-78 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही नगर पालिका सक्ती में 20 लाख रूपए की लागत से चंद्रा (चन्द्रानाहू) सामाजिक भवन का भूमिपूजन शामिल है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सक्ती में आत्मीय स्वागत: मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज जांजगीर-चांपा जिले के विकासखंड मुख्यालय सक्ती में पहुंचे। हेलीपैड पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत सहित जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल आज जांजगीर-चांपा जिले के सक्ती विधानसभा क्षेत्र को 226 करोड़ 26 लाख 90 हजार रुपए के 30 विभिन्न कार्यों की सौगात देंगे।

संपादकीय

गैर-जरूरी विवाद

अभी बहुत दिन नहीं हुए, जब कर्नाटक के उडुपी जिले में आयोजित सालाना कौप मरीगुड़ी उत्सव में गैर-हिंदू वेंडरों को मंदिर परिसर के आसपास कारोबार न करने देने की मांग उठी थी, जो अब मांड्या, शिवमोगा, चिकमंगलुरु, तुमकुरु और हासन जिलों तक फैल गई है, इसी बीच केरल से भी खबर आई है कि कन्नूर जिले के कुछ मंदिरों के प्रबंधन ने ख्यात पूराक्कली-मराथुकली कलाकार विनोद पणिकर की मंदिर समारोहों में कला-प्रस्तुति पर कथित तौर से रोक लगा दी है। पणिकर का आरोप है कि उनके बेटे ने मुस्लिम लड़की से शादी की है, इसलिए उन पर यह रोक लगाई गई है, जबकि वह करीब चार दशकों से इन मंदिरों में अपनी कला प्रस्तुतियां देते आ रहे हैं। सुखद यह है कि कल ही कर्नाटक के दो भाजपा विधायकों, एच विश्वनाथ और अनिल बेनके ने मंदिरों के आस-पास गैर-हिंदुओं के कारोबार पर प्रतिबंध को 'गैर-सांविधानिक' कृत्य बताया और यह अपील की कि लोगों के ऊपर ही छोड़ देना मुनासिब होगा कि वे किस दुकान से क्या खरीदें।

सदियों का हिन्दुस्तानी लोक-व्यवहार और आजाद भारत का संविधान साक्षी है कि 'सर्वधर्म समभाव' की इसकी खूबसूरती ने पूरी दुनिया को भारत का मुरीद बनाया है और अब कुछ असामाजिक तत्व निहित स्वार्थ के कारण इसे आघात पहुंचाना चाहते हैं। भारत के तीर्थस्थल हमेशा से इसकी समावेशी संस्कृति के बड़े प्रतीक रहे हैं। और इसकी सबसे ताजा मिसाल बिहार में पूर्वी चंपारण के इश्तियाक अहमद खान ने पेश की है, जिनके परिवार ने लगभग ढाई करोड़ रुपये की जमीन रामायण मंदिर के निर्माण के लिए दान कर दी। इस देश में ऐसे कई उदाहरण हैं, जब सभी धर्मों के लोगों ने मिल-जुलकर एक-दूसरे के उपासना स्थलों का जीर्णोद्धार किया है। ऐसे में, केरल-कर्नाटक सरीखी बाड़ेबंदी भारतीयता की मूल भावना के भी विपरीत है।

दरअसल, हमारे सामाजिक जीवन में विद्वेष की राजनीति की घुसपैठ लगातार बढ़ती जा रही है और इसी के कारण इस तरह की विसंगतियां देखने को मिल रही हैं। अब तक उत्तर भारतीय प्रदेशों में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण या जातिवादी गोलबंदी के कारण अनेक प्रकार की समस्याएं पैदा होती रही हैं और उनके पिछड़ेपन की एक बड़ी वजह भी है, लेकिन चिंता की बात यह है कि इस तरह की प्रवृत्तियां अब केरल-कर्नाटक में तेजी से बढ़ने लगी हैं, जो तरक्कीपसंद सूबे समझे जाते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि दक्षिण के राज्यों में उत्तर के मुकाबले सामाजिक समावेशीकरण कहीं बेहतर हुआ है और उन्हें इसका फायदा भी खूब मिला है। यह एक स्थापित तथ्य है कि कोई भी कलहप्रिय समाज कभी तरक्की नहीं कर सकता। इसलिए राज्य सरकारों का यह बुनियादी दायित्व है कि वे सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटें। भारत के सामने गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य के मोर्चे पर पहले ही गंभीर चुनौतियां हैं। महामारी ने उन्हें और विकराल बना दिया है। ऐसे में, इस तरह के निरर्थक विवाद शासन की सिरदर्दी ही बढ़ाएंगे और उसकी कार्य-संस्कृति को नकारात्मक रूप से प्रभावित करेंगे। इस तरह के विवाद देश के राजनीतिक-सामाजिक संगठनों के लिए भी किसी परीक्षासे कम नहीं हैं। उनके नेतृत्व की समझदारी इन्हीं नाजुक मौकों पर देखी-परखी जाती है। कर्नाटक और केरल में सामाजिक समरसता न बिगड़े, इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों के साथ-साथ इन सबके कंधों पर भी है।

सदनों में शाब्दिक तकरार अब शारीरिक दुर्व्यवहार तक पहुंचने लगी है

(ललित गर्ग)

बीरभूम की हिंसा को लेकर नाराज विपक्ष मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी कर रहा था, क्योंकि उनके पास गृह मंत्रालय भी है। इसी दौरान सत्ता पक्ष के विधायक भी आक्रामक हो उठे और यह अशोभनीय घटना घट गई।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच हाथापाई और नेता प्रतिपक्ष समेत पांच भाजपा विधायकों के निलंबन की घटना एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र को शर्मसार कर गई। भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, इसको सशक्त बनाने की बात सभी राजनैतिक दल करते हैं, सभी ऊंचे मूल्यों को स्थापित करने की, आदर्श की बातों के साथ आते हैं पर सत्ता-संचालन एवं विधायी कार्रवाही में सारी मर्यादाओं एवं लोकतांत्रिक मूल्यों पर ताक पर रखकर एक ही संस्कृति-हिंसा एवं अराजकता की संस्कृति को अपना लेते हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में हिंसा का जो तांडव हुआ उससे न केवल भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को गहरा आघात लगा है, बल्कि आम जनता को भी भारी हैरानी हुई है। पश्चिम बंगाल में न केवल सार्वजनिक जीवन में बल्कि सदन में हो रही हिंसा की घटनाएं गहन चिन्ता का विषय है। डर, भय, खौफ एवं हिंसा की बुनियाद पर शासन की पद्धति चिन्ताजनक है। यह सब लोकतांत्रिक एवं अभिव्यक्ति की सर्वोच्च प्रक्रिया की गरिमा और महत्ता को समाप्त करने का प्रयास है।

बीरभूम की हिंसा को लेकर नाराज विपक्ष मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी कर रहा था, क्योंकि उनके पास गृह मंत्रालय भी है। इसी दौरान सत्ता पक्ष के विधायक भी आक्रामक हो उठे और यह अशोभनीय घटना घट गई। यह सिर्फ पश्चिम बंगाल विधानसभा की बात नहीं है, देश की लगभग तमाम विधायी संस्थाओं में हर कुछ अंतराल पर ऐसे अशोभनीय दृश्य उपस्थित होने लगे हैं और इस तरह लोकतंत्र को तार-तार करने की घटनाओं को लेकर तमाम भारतीयों का चिंतित होना भी स्वाभाविक है। आखिर बीरभूम की जिस भयावह घटना ने सारे देश को झकझोर दिया हो, उस पर विधानसभा में चर्चा क्यों नहीं होनी चाहिए थी इससे विडम्बनापूर्ण बात और कोई नहीं कि सत्तापक्ष के सदस्यों ने न केवल चर्चा से इन्कार किया, बल्कि चर्चा की मांग कर रहे भाजपा विधायकों से मारपीट भी की, इन शर्मनाक दृश्यों को टीवी चैनलों पर समूचे देश ने देखा। आम तौर पर विधानसभाओं में हंगामा, धक्कामुक्की और मारपीट करने का आरोप विपक्ष पर लगता है, लेकिन बंगाल विधानसभा में इस आरोप के दायरे में सत्तापक्ष के सदस्य भी हैं। यह बात और है कि इस हिंसा के लिए केवल भाजपा विधायकों को जिम्मेदार माना गया और उनमें से पांच को साल भर के लिए निलंबित भी कर दिया गया। ऐसी घटनाएं केवल लोकतंत्र को शर्मिंदा ही नहीं करतीं बल्कि राजनीतिक दलों के बीच कटुता एवं द्वेष भी बढ़ाती हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बंगाल का राजनीतिक वातावरण लगातार विषाक्त एवं विसंगतिपूर्ण होता जा रहा है। वास्तव में इसी कारण वहां राजनीतिक हिंसा का सिलसिला थम नहीं रहा है।

विधानसभा में जो अनहोनी घटी, उसका कारण ममता और उनके दल के विधायक हैं। क्योंकि ममता सरकार बीरभूम की दिल दहलाने वाली घटना पर चर्चा करने के लिए तैयार नहीं थी। यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह इस घटना की सीबीआई जांच भी नहीं चाह रही थीं। जब कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह कहते हुए एक तरह से उसे धमकी दे दी कि अगर जांच सही तरीके से नहीं की गई तो वह सड़कों पर उतरेंगी। यह दादागिरी ही नहीं, बल्कि हिंसक मानसिकता है। प्रश्न है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय को बंगाल पुलिस पर भरोसा होता तो वह घटना की जांच सीबीआई के हवाले करता ही क्यों भरोसा टूटने का कारण यह भी हो सकता है कि विधानसभा चुनावों के बाद हुई भीषण हिंसा में बंगाल पुलिस ने उस दौरान हिंसक तत्वों की घोर अनदेखी एवं पक्षपात किया था। यह अनदेखी बीरभूम की घटना के मामले में भी देखने को मिल रही है और कोई भी समझ सकता है कि इसी कारण तृणमूल कांग्रेस यह नहीं चाह रही थी कि विधानसभा में इस विषय पर चर्चा हो। अपने अक्षम्य अपराधों को ढंकने की इन कुचेष्टाओं पर आखिर नियंत्रण कैसे स्थापित होगा।

सत्ता पक्ष की नाकामियों एवं त्रासद स्थितियों पर रचनात्मक आलोचना ही लोकतंत्र की जीवंतता का द्योतक है। यह किसी भी विपक्ष का पहला संवैधानिक दायित्व है और पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा विधायकों को यह अधिकार है कि वे किसी शासकीय चूक पर, प्रशासनिक लापरवाही पर सरकार से जवाब-तलब करें। स्वस्थ चर्चा एवं आलोचना क्यों हिंसा का कारण बन जाती है इस तरह की हिंसा का वातावरण बनना भारतीय लोकतंत्र के आगे सबसे गंभीर चुनौती है। विडंबना यह है कि हमारे जन-प्रतिनिधियों के लिये लोकतांत्रिक प्रशिक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे प्रशिक्षण सदस्यों को संसदीय कार्यों की बारीकियां ही नहीं सिखाते, बल्कि सदन के भीतर आचरण के विभिन्न पहलुओं से भी अवगत कराते हैं। इतना ही नहीं, सदनों के भीतर संसदीय दल के नेताओं ने भी अभिभावकीय भूमिका छोड़ दी है। इसलिए शाब्दिक तकरार शारीरिक दुर्व्यवहार तक पहुंचने लगी है। इन सबसे जनता की नजरों में जन-प्रतिनिधियों की प्रतिष्ठा को कितनी चोट पहुंच चुकी है, इसे बार-बार दर्ज कराने की भी आवश्यकता नहीं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ममता के विधायकों ने विधानसभा में अपनी सत्ता एवं अधिकारों का जमकर दुरुपयोग किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा की ताजा हिंसक घटना ने एक बार फिर देश के तमाम राजनीतिक दलों को यह बात याद दिलायी है कि सफल एवं आदर्श लोकतंत्र वही है जिसमें सिर्फ शोर-गुल, हाथापायी एवं मारपीट से नहीं, कहकहों, गले मिलकर, शांति-सौहार्दपूर्ण वातावरण में विधायी कार्यवाही संचालित हो। साफ है, सत्ता और विपक्ष जब तक एक-दूसरे को विश्वास में नहीं लेंगे, बदले की भावना एवं संकीर्णताएं नहीं छोड़ेंगे तब तक पश्चिम बंगाल विधानसभा जैसी अप्रिय एवं त्रासद स्थितियां पैदा होती रहेंगी और इससे भारतीय लोकतंत्र बार-बार लहूलुहान होता रहेगा।

विधानसभा हो या फिर लोकसभा हो, व्यापक हिंसा एवं अराजकता होती रही है, लेकिन जिस तरह पश्चिम बंगाल की वर्तमान सरकार ने विधानसभा में गुंडागर्दी को संरक्षण दिया उसकी उम्मीद ममता बनर्जी से नहीं की जा सकती थी। क्योंकि यही ममता बनर्जी विपक्ष में रहते हुए वामपंथी शासन पर हिंसा करने के आरोप लगाते नहीं थकती थीं, अब वैसी ही हिंसा उनके शासन में भी हुई है। जो इन बुराइयों एवं हिंसा के खूनी खेल को लोकतांत्रिक व्यवस्था की कमजोरियां बताते हैं, वे भयंकर भ्रम में हैं। बुराई हमारे चरित्र में है इसलिए व्यवस्था बुरी है। हमारा रूपांतरण होगा तो व्यवस्था का तंत्र सुधरेगा, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। इसलिए बेहतर होगा कि जिम्मेदार राजनीतिक पार्टियां लोकतंत्र को शुद्ध सांसें देने की पहल करें, अपने विधायकों, कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को लोकतंत्र एवं अहिंसा का प्रशिक्षण दें। चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाले संगठन द एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की चुनाव-दर-चुनाव रिपोर्ट बता रही है कि निर्वाचित सदनों का चरित्र क्यों बदल रहा है क्यों हिंसक एवं अराजक हो रहा है क्योंकि विधानसभाओं में दागी विधायकों की तादाद पचास प्रतिशत तक पहुंचने लगी है। ऐसे में, कैसे अपेक्षा की जा सकती है कि वहां मर्यादाएं एवं अनुशासन बहाल रहेगा

इन स्थितियों से गुजरते हुए, विश्व का अव्वल दर्जे का कहलाने वाला भारतीय लोकतंत्र आज अराजकता के चौराहे पर है। जहां से जाने वाला कोई भी रास्ता निष्कंटक नहीं दिखाई देता। इसे चौराहे पर खड़े करने का दोष जितना जनता का है उससे कई गुना अधिक राजनैतिक दलों व नेताओं का है जिन्होंने निजी व दलों के स्वार्थों की पूर्ति को माध्यम बनाकर इसे बहुत कमजोर कर दिया है। आज ये दल, ये लोग इसे दलदल से निकालने की क्षमता खो बैठे हैं। जब एक अकेले व्यक्ति का जीवन भी मूल्यों के बिना नहीं बन सकता, तब एक राष्ट्र एवं प्रांत मूल्यहीनता में कैसे शक्तिशाली बन सकता है अनुशासन के बिना एक परिवार एक दिन भी व्यवस्थित और संगठित नहीं रह सकता तब संगठित देश एवं प्रांत की कल्पना अनुशासन के बिना कैसे की जा सकती है हिंसा की संस्कृति भारत के लोकतंत्र की जड़ों में गहरी पैठती जा रही है। जब तक राजनीतिक दल बाहुबलियों और असामाजिक तत्वों को अपने से अलग नहीं करते तब तक लोगों का खून बहता ही रहेगा। बिना विचारों के दर्शन और शब्दों का जाल बुने यही कहना है कि लोकतंत्र के इस सुन्दर नाजुक वृक्ष को अहिंसा की माटी, नैतिकता का पानी और अनुशासन की ऑक्सीजन चाहिए। (लेखक, पत्रकार एवं समाजसेवी)

बंगाल में कैसे रुकेगी राजनीतिक हिंसा, ममता खुद हुई शिकार पर नहीं रोक पाई ये सिलसिला

(रवि प्रकाश)

कोलकाता में इन दिनों अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के ऊपर है, लेकिन ममता बनर्जी इससे आधे तापमान वाली जगह दार्जिलिंग के दौरे पर हैं। कोलकाता से सवा छह सौ किलोमीटर दूर हिमालय की धवल चोटियों के बीच बसे इस पर्वतीय इलाके में उनका प्रवास खुशनुमा ही रहता, अगर पश्चिम बंगाल की विधानसभा में 28 मार्च को विधायकों के बीच मारपीट न हुई होती। इस हिंसा में उनके एक विधायक की नाक टूटी है, तो दूसरे कुछ विधायकों को घायल होकर अस्पताल जाना पड़ा है। इस घटना ने उनके विरोधियों को उन पर हमले का एक और अवसर दे दिया है। कानून व्यवस्था की हालत को लेकर उनकी आलोचना की जा रही है। राज्यपाल जगदीप धनखड़ भी न केवल सरकार के बड़े अधिकारियों को राजभवन तलब कर रहे हैं, बल्कि मीडिया के सामने मुख्यमंत्री के खिलाफ सार्वजनिक बयान भी दे रहे हैं। टीएमसी नेताओं ने गृहमंत्री अमित शाह से हाल ही में मिलकर राज्यपाल धनखड़ को हटाने की मांग भी की है।

एकजुटता का प्रयास – मौजूदा वक्त के गैर-बीजेपी नेताओं में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित ममता बनर्जी इन कारणों से विवादों के घेरे में हैं। शायद इसी वजह से उन्होंने गैर-बीजेपी शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विपक्षी नेताओं को पत्र लिखकर बीजेपी के खिलाफ एकजुट हो जाने की अपील की है। वह समझती हैं कि बीजेपी का मुकाबला अकेले दम पर नहीं किया जा सकता। लेकिन, क्या शांति निकेतन से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर बसे रामपुर हाट के बोगटुई गांव में हालिया हुई हिंसा का जवाब इस सियासी बयानबाजी से दिया जा सकता है शायद, इसका जवाब ना में है। यह भी सच है कि बीरभूम जिले में हुई हिंसा में जान गंवाने वाले लोग और उनकी मौत के जिम्मेवार दोनों पक्ष ममता बनर्जी की ही पार्टी तृणमूल कांग्रेस से ताल्लुक रखते हैं। उन्हीं के आदेश पर पुलिस ने टीएमसी के वहां के प्रखंड अध्यक्ष को गिरफ्तार भी किया है। जिस भादू शेख की हत्या के बाद बोगटुई गांव में 9 लोगों को जिंदा जला दिया गया, वह भी टीएमसी के ही नेता थे। हालांकि, इस नरसंहार के पीछे बंगाल में कई दशकों से जारी व्यावसायिक सिंडिकेट और आपसी वर्चस्व की लड़ाई की बातें सामने आ रही हैं, लेकिन राज्य में सियासी हिंसा की यह न कोई पहली घटना है और न इसके आखिरी होने की कोई उम्मीद दिखती है। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा की कहानी दशकों पुरानी है। इसमें हजारों लोगों की जानें गई हैं। पहले नक्सल आंदोलन के दौरान। उसके बाद सीपीएम-कांग्रेस, टीएमसी-बीजेपी और टीएमसी-सीपीएम कार्यकर्ताओं के बीच हो रही हिंसा की घटनाएं भद्रलोक माने जाने वाले बंगाल में चल रही सियासी हिंसा की गवाही देती रही हैं। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी खुद इसकी भुक्तभोगी रही हैं। नब्बे के दशक में उनके खिलाफ हुई ऐसी ही हिंसा के बाद उनका राजनीतिक कद बढ़ा और वह लगातार मजबूत होती चली गईं। साल 1993 में कलकत्ता में राइटर्स मार्च के दौरान पुलिस ने 38 साल की युवा ममता बनर्जी के ऊपर जानलेवा हमला किया। इस कारण उन्हें कई सप्ताह तक अस्पताल में रहना पड़ा और उनके तेरह कार्यकर्ताओं की पुलिस फायरिंग में मौत हो गई। इसकी जांच के लिए बने जस्टिस सुकांता चटर्जी आयोग के समक्ष कई पुलिस अधिकारियों ने माना कि उन्हें ममता बनर्जी पर हमले के आदेश दिए गए थे। तब वहां वाम मोर्चे की सरकार थी। ज्योति बसु पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री हुआ करते थे और ममता बनर्जी युवा कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष। कहते हैं कि तब उन्होंने प्रण लिया कि वह राज्य सचिवालय राइटर्स बिल्डिंग में अब तभी कदम रखेंगी, जब खुद मुख्यमंत्री बन जाएं। इसके बाद साल 2011 में मुख्यमंत्री बनने के बाद ही वह राइटर्स बिल्डिंग में आईं।

हड़ताल से निकली ध्वनि सुनने का समय

(अरुण कुमार, अर्थशास्त्री)

निजीकरण के खिलाफ और श्रम सुधारों को लेकर श्रमिक संगठनों की देशव्यापी हड़ताल का असर दिखा है। हाल के वर्षों में हम वक्त-वक्त पर ऐसी हड़तालें या बंद देखते रहे हैं। जाहिर है, श्रमिक संगठन ऐसा करके अपने हित के मुद्दे उठाते हैं, जो श्रम कानूनों, महंगाई, वेतन आदि से जुड़े होते हैं। इन मसलों के अनवरत बने रहने की एक बड़ी वजह हमारी नीतियों का 'डिमांड साइड इकोनॉमिक्स' के बजाय 'सप्लाई साइड इकोनॉमिक्स' पर आधारित होना है। 'सप्लाई साइड इकोनॉमिक्स' का मतलब है, कारोबारी हित में नीतियों का बनना, ताकि उत्पादों की आपूर्ति बढ़े। माना जाता है कि इससे कारोबारी ज्यादा निवेश के लिए उत्सुक होते हैं, जिससे उत्पादन में वृद्धि होती है और अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती है। मगर देखा यह गया है कि जब मांग कम हो, तब यह नीति काम नहीं करती। साल 2019 में ही जब केंद्र सरकार ने 'सप्लाई साइड इकोनॉमिक्स' के तहत कॉरपोरेट टैक्स कम किया, तब बाजार में मांग कम होने के कारण निवेश में इजाफा नहीं हुआ। निजी क्षेत्र ने इस सरकारी छूट का लाभ अपनी 'बैलेंस शीट' को ठीक करने में किया। नतीजतन, हमारी आर्थिक विकास दर गिरती चली गई।

'सप्लाई साइड' की नीतियां कारोबार-समर्थक और श्रमिक वर्ग के खिलाफ होती हैं। मजदूर आज इसलिए आंदोलनरत हैं, क्योंकि आर्थिक सुधारों के बाद से पूंजीपतियों के हित में नीतियां बनने लगी हैं। रही-सही कसर कोरोना महामारी ने पूरी कर दी है। इसमें विशेषकर असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की स्थिति काफी खराब हो गई है। 1,500 कंपनियों का अध्ययन करके रिजर्व बैंक ने जो आंकड़ा जारी किया है, वह बताता है कि कोरोना महामारी के दौरान कॉरपोरेट सेक्टर का लाभ तो 24 फीसदी तक बढ़ा है, जबकि बेरोजगारी और महंगाई ने मजदूर वर्गों की कमर तोड़कर रख दी है। इसकी मार संगठित क्षेत्र पर भी पड़ी है। खासकर, निविदा पर काम कर रहे मजदूरों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। इस दौरान सूचना-प्रौद्योगिकी और तकनीक के क्षेत्रों ने तो बेशक अच्छा काम किया है, लेकिन पर्यटन, कपड़ा एवं चमड़ा उद्योग जैसे क्षेत्र कोरोना से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

अर्थव्यवस्था का एक सिद्धांत बताता है कि जितनी मजदूरी बढ़ेगी, कंपनियों का मुनाफा उतना कम होगा, और कंपनियां जितना फायदा कमाएंगी, मजदूरों का वेतन उतना कम होगा। पूंजीवाद में कंपनियों का रवैया अधिकाधिक लाभ कमाना होता है। चूंकि वेतन-वृद्धि न होने या सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा न मिलने की सूरत में मजदूर कई उपाय करते हैं, मगर कोई राहत न देख अंततः वे हड़ताल-बंद पर उतर जाते हैं। हालांकि, मजदूरों का एक बड़ा तबका असंगठित है (कृषि कर्म में ही 45 फीसदी आबादी लगी है) और यह तबका आंदोलन नहीं कर पाता, इसलिए हालिया श्रमिक आंदोलन बहुत असरंदाज होते नहीं दिखे।

यहां एक समस्या और है। 'लेबर एरिस्टोक्रेसी' (मजदूर अभिजातवर्ग) श्रमिक आंदोलन का एक बड़ा रोड़ा है। दरअसल, अधिकारी वर्ग के कामगार श्रमिकों के साथ संघर्ष करने से हिचकिचाते हैं। इसका फायदा कारोबारी उठाते हैं। उनकी मंशा भी यही होती है कि मजदूर संगठनों में मतभेद बना रहे। यही वजह है कि हम एक ही कारखाने में कई-कई मजदूर संघों को सक्रिय देखते हैं। चूंकि, अभी कामगार वर्ग में काफी उथल-पुथल है, इसलिए सत्तारूढ़ दल के संगठनों को छोड़कर कमोबेश देश के सभी संगठन एकजुट होकर आंदोलनों में जुटे हैं।

सन 1991 के बाद जब से अपने यहां नई आर्थिक नीतियां आई हैं, तभी से यह सोच बन गई कि नए कायदे-कानून श्रमिकों के विरुद्ध और कारोबारियों के हित में होंगे। इसीलिए, करीब चार साल तक, यानी 1995 तक हर वर्ष कम से कम दो बार 'भारत बंद' जैसे आंदोलन जरूर हुआ करते। मगर उनका ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा और हालात दिन-ब-दिन कामगारों के खिलाफ होते गए। देखा जाए, तो अब हड़ताल या बंद जैसे आंदोलन श्रमिकों की निराशा की महज अभिव्यक्ति हैं। नए-नए अध्ययन इसी बात की तस्दीक करते हैं। जैसे, बजट के समय इसी फरवरी में आए प्राइस (पीआरआईसीई) सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि 2015-16 की तुलना में 2020-21 में सबसे गरीब 20 फीसदी आबादी की आमदनी 50 फीसदी तक गिर गई, जबकि इसी दौरान देश के सबसे धनाढ्य 20 फीसदी आबादी की आमदनी में 30 फीसदी का इजाफा हुआ। साफ है, अमीरों और गरीबों के बीच की असमानता 1990-91 के बाद बहुत तेजी से बढ़ी है, जिससे कामगार तबके के लिए मुश्किलें बढ़ी हैं।

इसमें सरकारों की भी बड़ी भूमिका रही है। सन 1950 से 1990 के बीच श्रमिकों को जो अधिकार हासिल थे, वे बाद के वर्षों में धीरे-धीरे उनसे छीन लिए गए। आर्थिक नीतियां कारोबारियों के हित में बनाई जानी लगीं। इसने श्रमिकों की दुविधा बढ़ा दी है। विशेषकर संगठित क्षेत्र के कामगारों को यह डर सता रहा है कि यदि उनसे रोजगार छिन गया, तो वे भी असंगठित क्षेत्र का हिस्सा बन जाएंगे, जिसकी हालत बेहद खराब है।

कहने की जरूरत नहीं कि सरकारों को श्रमिकों के हित में सोचना चाहिए। अगर अपने देश में इतना बड़ा असंगठित क्षेत्र (इसे मैं 'रिजर्व आर्मी ऑफ लेबर' कहता हूं) न होता, तो श्रमिक कहीं ज्यादा मोल-भाव करने की हैसियत में होते। मगर ऐसा है नहीं। फिर, अत्याधुनिक तकनीक ने विशेषकर बैंकिंग जैसे क्षेत्र में श्रमिकों की जगह ले ली है। इसलिए, मजदूरों को निस्संदेह समर्थन दिया जाना चाहिए। आज के समय में रोजगार पैदा करना, महंगाई नियंत्रित करना, कामगारों को सामाजिक-आर्थिक सहयोग देना, पारदर्शिता बनाए रखना और मजदूर-हितैषी नीतियों को आगे बढ़ाना निहायत जरूरी है। हेनरी फोर्ड ने कभी कहा था कि जब तक मेरा वर्कर मेरी कार नहीं खरीद पाएगा, तब तक कार का 'मास प्रॉडक्शन' करके भला क्या होगा उनका इशारा बाजार में मांग बढ़ाने की तरफ था। आज की सरकारों को इससे सबक लेना चाहिए। कामगारों को 'लिविंग वेज' मिलना ही चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

नाटो की प्रासंगिकता का संकट

यूरोप को चारों ओर से घेर लेने की नीति के तहत चीन बाल्कन देशों के साथ सहयोग को लेकर लगातार आगे बढ़ रहा है। वह यूरोप के कई बंदरगाहों में भी दिलचस्पी दिखा रहा है। ग्रीस, तुर्की सहित दक्षिण यूरोप के कई देशों के बंदरगाहों में उसकी बड़ी हिस्सेदारी है। पश्चिमी बाल्कन देशों में चीनी निवेश काफी बढ़ गया है और इन देशों पर चीन का कर्ज बढ़ता जा रहा है। चीन के इस बढ़ते प्रभाव से अमेरिका और यूरोप की नींद उड़ना लाजिमी है। चीन के आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग का असर कूटनीतिक रूप से भी दिखने लगा है। अमेरिका वीगर मुसलमानों के अधिकारों को लेकर मुखर है, वहीं बाल्कन देश चीन की आलोचना के किसी भी प्रस्ताव में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाते। बाल्कन प्रायद्वीप दक्षिण-पूर्वी यूरोप का एक बड़ा क्षेत्र है और यहां चीन की कूटनीतिक बढ़त रणनीतिक बढ़त नहीं बन जाए, इसे लेकर अमेरिका और नाटो आशंकित हैं।

(ब्रह्मदीप अलूने)

अभी तक नाटो और अमेरिका सैन्य संतुलन कायम करने के लिए दुनिया के किसी भी हिस्से में सैन्य कार्रवाइयों को अंजाम देते रहे हैं। लेकिन यूक्रेन पर हमले के बाद रूस की परमाणु युद्ध की धमकी के आगे नाटो बेबस नजर आया है। यूक्रेन में नाटो की रणनीतिक प्रतिकार से बचने की नीति से वैश्विक शक्ति संतुलन को लेकर असमंजस बढ़ गया है।

यूरोप और अमेरिकी महाद्वीप को संतुलित और नियंत्रित रखने की उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की नीति पस्त पड़ चुकी है। चीन की आर्थिक रणनीति और रूस की सामरिक आक्रामकता के सामने नाटो बौना साबित होने लगा है। लातिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों में चीन का सहायता कूटनीति का अभियान जोरों पर है।

ब्राजील, मेक्सिको और कोलंबिया जैसे देश चीन से आर्थिक साझेदारी करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, तो क्यूबा, निकारागुआ और वेनेजुएला जैसे देश भी अमेरिका को ठेंगा दिखाते हुए चीन से व्यापक आर्थिक समझौते कर रहे हैं। चीन इन देशों के क्षेत्रीय संगठन- कम्युनिटी आफ लैटिन अमेरिकन एंड कैरेबियन स्टेट्स (सीईएलएसी) के साथ अपने रिश्तों को उंचाई पर ले जा रहा है और यह सब अर्जेंटीना के नेतृत्व में हो रहा है।

दरअसल, लातिन अमेरिका और कैरेबियाई देश चीन की बेल्ट रोड योजना का अहम हिस्सा बन चुके हैं। वेनेजुएला और क्यूबा अमेरिका विरोध के चलते चीन के समर्थन में खड़े हैं। अल सल्वाडोर और होंडुरास जैसे देशों में भी चीन का दबदबा बढ़ता जा रहा है। पश्चिम यूरोप में भी चीन तेजी से पैर जमा रहा है। चीन का नया सिल्क मार्ग पांच महाद्वीपों में फैला बुनियादी परियोजनाओं का एक महत्त्वाकांक्षी नेटवर्क है, जिसके सहारे वह अमेरिकी महाद्वीप और नाटो के सहयोगी देशों के साथ आर्थिक साझेदारी बढ़ाने में लगा है।

मध्य-पूर्व के जिन यूरोपीय देशों के साथ चीन व्यापक रणनीति के तहत काम कर रहा है, उनमें अल्बानिया, बोस्निया-हर्जेगोविना, बुल्गारिया, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, एस्तोनिया, ग्रीस, हंगरी, लात्विया, उत्तरी मेसेडोनिया, मोंटेनेग्रो, पोलैंड, रोमानिया, सर्बिया, स्लोवाकिया और स्लोवेनिया शामिल हैं। इसमें कई देश नाटो सैन्य संगठन का हिस्सा हैं, जिसकी स्थापना ही साम्यवाद को रोकने के लिए हुई थी।

यूरोप को चारों ओर से घेर लेने की नीति के तहत चीन बाल्कन देशों के साथ सहयोग को लेकर लगातार आगे बढ़ रहा है। वह यूरोप के कई बंदरगाहों में भी दिलचस्पी दिखा रहा है। ग्रीस, तुर्की सहित दक्षिण यूरोप के कई देशों के बंदरगाहों में उसकी बड़ी हिस्सेदारी है। पश्चिमी बाल्कन देशों में चीनी निवेश काफी बढ़ गया है और इन देशों पर चीन का कर्ज बढ़ता जा रहा है। चीन के इस बढ़ते प्रभाव से अमेरिका और यूरोप की नींद उड़ना लाजिमी है।

चीन के आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग का असर कूटनीतिक रूप से भी दिखने लगा है। अमेरिका वीगर मुसलमानों के अधिकारों को लेकर मुखर है, वहीं बाल्कन देश चीन की आलोचना के किसी भी प्रस्ताव में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाते। बाल्कन प्रायद्वीप दक्षिण-पूर्वी यूरोप का एक बड़ा क्षेत्र है और यहां चीन की कूटनीतिक बढ़त रणनीतिक बढ़त नहीं बन जाए, इसे लेकर अमेरिका और नाटो आशंकित हैं। बाल्कन दक्षिणी यूरोप का सबसे पूर्वी प्रायद्वीप है और यह तीन ओर से समुद्र से घिरा है। इसके पूर्व में काला सागर, ईजियन सागर, दक्षिण में भूमध्यसागर, पश्चिम में

इयोनियन सागर और एड्रियाटिक सागर हैं। चीन का इस क्षेत्र में बढ़ा रुतबा अमेरिका और नाटो पर रणनीतिक बढ़त लेता हुआ दिखाई देता है।

यूक्रेन को लेकर रूस की आक्रामकता और इस पर वैश्विक दबाव का काम न करना भी दुनिया के सबसे बड़े सैन्य संगठन नाटो की प्रासंगिकता पर सवाल खड़े कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हस्तक्षेप को एक तानाशाही दखलंदाजी माना जाता है, जो एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र के मामलों को पलटने के लिए करता है। पूर्वी यूरोप के एस्तोनिया, लातविया, लिथुआनिया, पोलैंड और रोमानिया में अमेरिका के नेतृत्व में नाटो के सैनिक तैनात हैं।

इसके साथ ही नाटो ने बाल्टिक देशों और पूर्वी यूरोप में हवाई निगरानी भी बढ़ाई है, जिससे आकाश से भी रूस पर नजर रखी जा सके। यूक्रेन पर हमले के बाद यह साफ हो गया कि रूस पर दबाव बनाने की नाटो और अमेरिका की यह योजना कारगर नहीं हो सकी। यह स्थिति नाटो और अमेरिका को परेशान करने वाली है।

साल 2008 में नाटो के बुखारेस्ट सम्मेलन में यूक्रेन और जार्जिया को सदस्य बनाने का समर्थन किया गया था और इस बात पर सहमति जताई जताई थी कि ये देश नाटो के सदस्य बन जाएंगे। लेकिन रूस ने अमेरिका के पूर्व की ओर नाटो क्षेत्र के विस्तार के विकल्प को खारिज कर दिया। नाटो की असल चुनौती यही से बढ़ गई। दुनिया के सबसे बड़े सैन्य संगठन नाटो का प्रमुख लक्ष्य साम्यवादी सोवियत संघ के कूटनीतिक, राजनीतिक और सामरिक प्रभाव को सीमित करना था, जिसमें उसने सफलता भी पाई।

लेकिन पिछले दो दशकों में रूस में पुतिन के प्रभाव और चीन की सहायता कूटनीति से वैश्विक परिदृश्य पूरी बदल गया है 2008 में जार्जिया और यूक्रेन को अपने गठबंधन में शामिल करने के नाटो के इरादे की घोषणा के बाद रूस ने जार्जिया पर आक्रमण किया और उसके कई क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया।

सेहत और सौन्दर्य लाभ देता है ओट्स का नियमित सेवन

ओट्स यानी कि जौ या जई, एक प्रकार का खाद्य प्रदार्थ है, जिसे बहुत सारे अनाज को मिलाकर बनाया जाता है। ओट्स में कैल्शियम, फास्फोरस और पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है, इसलिए ये शरीर को कई प्रकार से फायदा करता है। आइए, जानते हैं ओट्स का नियमित सेवन कौन से सेहत और सौन्दर्य लाभ देता है -

- कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम और विटामिन-बी से भरपूर ओट्स आपके नर्वस सिस्टम के लिए बहुत फायदेमंद होता है, और आपको स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।
- ओट्स में पाया जाने वाला इनोजिटॉल रक्त में वसा के स्तर को नियंत्रित करता है, और उसे बढ़ने नहीं देता। यह शरीर में उपस्थित अतिरिक्त वसा को भी कम करता है।
- ओट्स पेट संबंधी रोगों में भी काफी लाभ देता है। यह कब्ज को दूर कर, पेट खराब होने की समस्या से निजात दिलाने में सहायक है।
- प्रतिदिन अपने नाश्ते या खाने में ओट्स को शामिल करने से डाइबिटीज की समस्या में लाभ होता है, क्योंकि यह इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित रखने में सहायक होता है।
- आपकी त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए भी ओट्स आपकी मदद कर सकता है। इससे बना फेस पैक चेहरे पर लगाने से त्वचा कोमल और स्वस्थ बनती है।
- ओट्स के चोकर में पर्याप्त मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो जल्दी पेट भरने के साथ-साथ आपके शरीर में उर्जा संचार करता है, और यह वजन कम करने में बेहद लाभप्रद है।
- कैंसर से बचाव के लिए ओट्स का प्रयोग किया जा सकता है। इसके प्रयोग से हृदय रोग होने का खतरा भी कम होता है क्योंकि यह हृदय की धमनियों में वसा को जमने से रोकता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ने के कारण होने वाली समस्याओं जैसे चक्कर आना, दिल घबराना जैसी समस्याओं में ओट्स फायदेमंद है, क्योंकि इसकी प्रकृति ठंडी होती है।
- रूखी त्वचा या एक्जिमा जैसी तकलीफ में भी ओट्स सहायक होता है। ओटमील बाथ लेने से त्वचा की जलन समाप्त होती है और रुखापन भी खत्म हो जाता है।
- ओट्स को दूध में मिलाकर बनाए गए स्क्रब का प्रयोग करने से त्वचा की चमक बढ़ जाती है, और त्वचा लंबे संमय तक जवां और खूबसूरत दिखाई देती है।

हेल्दी और फिट रहना है तो पिएं टमाटर सूप

लाल लाल स्वादिष्ट टमाटर कई सब्जियों व डिश का अहम हिस्सा होते है। कच्चे टमाटर के अलावा उनका सूप भी बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। आमतौर पर खाने से पहले स्टार्टर के तौर पर लिए जाने वाले टमाटर सूप में विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो आपको हेल्दी और फिट रखने में मदद करते हैं। आइए, जानते हैं टमाटर सूप पीने से सेहत को मिलने वाले गजब के फायदे

हड्डियों के लिए फायदेमंद

टमाटर सूप में विटामिन के और केल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूत रखता है। इसके अलावा शरीर में लाइकोपीन की कमी होने से भी हड्डियों पर तनाव बढ़ता है और टमाटर में काफी मात्रा में लाइकोपीन होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है।

दिमाग को रखें दुरुस्त

टमाटर सूप में भरपूर मात्रा में कॉपर और पोटेशियम पाया जाता है, जिससे नर्वस सिस्टम ठीक रहता है और दिमाग को मजबूती मिलती है।

विटामिन की कमी करे पूरी

टमाटर सूप में विटामिन इ और ए अच्छी मात्रा में होता है। विटामिन इ, टिशू के विकास के लिए जरूरी होता है। कहते है कि शरीर में रोजाना 16% विटामिन इ और 20% विटामिन ए की जरूरत होती है और टमाटर सूप इसकी जरूरत को पूरा करता है।

वजन करे कम

टमाटर सूप को अगर ऑलिव ऑयल से बनाया जाए तो यह वजन घटाने में सहायक होता है, क्योंकि इसमें पानी और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे आपको काफी समय तक भूख नहीं लगती।

कैंसर का खतरा करे कम

टमाटर सूप में लाइकोपीन और कैरोटोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जिससे कैंसर की आशंका कम हो जाती है।

ब्लड शुगर को करे नियंत्रण

डायबिटीज के मरीजों को डाइट में टमाटर सूप जरूर लेना चाहिए। इसमें क्रोमियम होता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखने में सहायक होता है।

रक्त प्रवाह को बढ़ाएं

टमाटर में सेलेनियम होता है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाता है जिससे एनिमिया का खतरा कम हो जाता है।

पोषक तत्वों से भरपूर है किशमिश

बहुत से लोगों को सुबह उठने के बाद सुस्ती महसूस होती है, ऐसे में जागते तो हैं लेकिन थोड़ी ही देर बाद नींद आने लगती है। अगर आप सुबह पूरी एनर्जी के साथ उठना चाहते हैं तो किशमिश आपके रूटीन को बेहतर बना सकती है।

सुबह-सुबह उठना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपके रूटीन में सुबह जल्दी उठने की आदत है तो समझिए आपके सारे काम सही तरीके से बनते हैं। साथ ही आप तमाम तरह की सेहत संबंधी समस्याओं से भी दूर रहेंगे। हालांकि, मौजूदा दौर में इस आदत को बहुत कम लोग फॉलो कर पाते हैं। वजह साफ है, देर रात तक उनका वर्क या फिर किसी भी कारण जागना।

ऐसे में अगर आप सुबह जल्दी उठते हैं तो शरीर में एनर्जी नहीं रहती, लिहाजा आप फिर सो जाते हैं। लेकिन डायटीशियन और स्किन डॉक्टर श्रेया ने हाल इस समस्या के समाधान का एक रास्ता निकाला है जिसे फॉलो कर आप आसानी से सुबह उठने की आदत डाल सकते हैं। श्रेया के अनुसार, किशमिश का सेवन कर आप सुबह एनर्जी के साथ उठ सकते हैं।

सुबह के वक्त क्यों खानी चाहिए भीगी किशमिश

डायटीशियन- डॉक्टर श्रेया ने हाल ही में सुबह जल्दी उठने और भीगी हुई किशमिश खाने को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया कि वे क्यों सुबह जागने के बाद किशमिश खाती हैं। डॉक्टर पोस्ट के कैप्शन में लिखती हैं, 'मैं यहां एक डीएम यानी Direct Message का जवाब दे रही हूं। किसी ने मुझसे पूछा कि मैंने अब भीगी हुई किशमिश खाना क्यों शुरू कर दिया है? क्या मैं एक रात का उल्लू और अरली वर्ड यानी सुबह की सैर करने वाली पक्षी बन रही हूं।'

किशमिश ऊर्जा, सूक्ष्म पोषक तत्वों - विटामिन बी, सी, आयरन, पोटेशियम और एंटीऑक्सिडेंट जैसे फेरुलिक एसिड, क्वेरसेटिन आदि से भरपूर होती है। इसके अतिरिक्त, इसमें आयरन, कैल्शियम और बोरॉन जैसे ट्रेस एंटीऑक्सिडेंट और खनिजों के साथ कुछ मात्रा में आहार फाइबर भी होते हैं। किशमिश मूल रूप से सूखे अंगूर हैं। इसलिए, वे अंगूर के अधिकांश पोषक तत्वों को बरकरार रखते हैं। आमतौर पर, साधारण चीनी के रूप में कार्बोहाइड्रेट, किशमिश का प्राइमरी कंपोनेंट होता है।

शरीर को ब्रेकफास्ट वाली एनर्जी देती है किशमिश

किशमिश सुबह की भूख को दूर रखने में भी सहायक है! भिगोने के बाद फाइबर इसमें एक प्राकृतिक रेचक के रूप में कार्य करता है। यह हमें तब तक ऊर्जा प्रदान करता है, जब तक हमारा नाश्ता तैयार नहीं हो जाता।

डायटीशियन कहती हैं कि जब आप अपने दिन की शुरुआत 5-6 भीगी हुई किशमिश खाने से करते हैं तो छोटी सी हैबिट आपके स्वस्थ्य के लिए फायदेमंद साबित होती है। बकौल डॉक्टर, 'मैं नहीं चाहती कि ऐसा हो, क्योंकि मैं अपनी लाइफ स्टाइल में सुबह उठने के रूटीन को फॉलो कर रही हूं, इसलिए मुझे अपनी बॉडी को ट्रेंड करने, अपने पेट के लिए एक नई घड़ी सेट करने, अपने पाचन तंत्र को संदेश देने की जरूरत है कि 'अरे, इसकी आदत डाल लें। किशमिश के एक छोटे से आहार के जरिए मैं नए समय में ढलने की कोशिश में हूं। यह मूल रूप से मेरे सिस्टम के लिए एक एक्टिवेटर की तरह काम करती है, यह मेरे पाचन तंत्र को जगाती है और इसके माध्यम से मेरा पूरा शरीर थोड़ी सी ऊर्जा के साथ जाग जाता है।

डॉक्टर ने कुछ ऐसे सवालों के जवाब दिए जो आपके दिमाग में अक्सर रहते हैं। वह कहती हैं कि 'इन सभी वर्षों के लिए मेरी सर्केडियन राइम दिन के बाद के वक्त के अनुसार निर्धारित की गई थी। जैसे मैं देर से उठती हूं तो देर से खाती हूं इसलिए स्वाभाविक रूप से देर से पचाती हूं, देर से सोती हूं और फिर उठती भी देर से हूं। अगले दिन और परसों इसी समयनुसार रूटीन चलता रहा है। मेरा शरीर इन समयों से अच्छे से परिचित है और अब इसे काफी पसंद करती हूं, क्योंकि इस रूटीन में सालों से ढल चुकी हूं। अगर मैं अपने खाने की आदतों में बदलाव किए बिना अचानक जल्दी उठना शुरू कर दूं, तो शरीर इससे लड़ने की कोशिश तो करेगा, क्योंकि यह बिना किसी फ्यूल यानी आहार के थक जाएगा और अंत में, मैं जल्दी उठने की आदत को छोड़ सकती हूं।'

भीगी किशमिश खाने के फायदे

- ये एनर्जी का पावरहाउस है।
- भीगी हुई किशमिश ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करती है।
- इसे खाने से हमारा पाचन तंत्र हेल्दी रहता है।
- सुबह सुबह इसे खाने इम्यून सिस्टम भी बूस्ट रहता है।
- हड्डी के स्वास्थ्य के लिए भी भीगी हुई किशमिश बेहतर फूड है।
- एनीमिया को ठीक करने में मददगार है।
- किशमिश कमजोर लोगों के वजन बढ़ाने में भी मददगार है।
- सुबह फुर्ती के साथ जागना है तो खाएं किशमिश

डाइट में शामिल करें ये मसाले

कई बीमारियों से बचेंगे

इस मौसम में आपको अपनी डाइट में कुछ चीजें जरूरी रूप से शामिल करनी चाहिए। हम बात कर रहे हैं कुछ ऐसे मसालों के बारे में जिन्हें इस मौसम में खाने पर आप कई कई बीमारियों से बच सकते है

काली मिर्च

काली मिर्च आपको सर्दी, खांसी, कफ, पाचन संबंधी समस्याओं से बचा सकती है साथ ही यह म्यूकस को शरीर से बाहर निकालने में भी काफी मददगार साबित होती है।

दालचीनी

दालचीनी का सेवन इस मौसम में गला खराब होने से तो बचाएगा ही, कफ को निकालने में भी मदद करेगा। यह प्राकतिक तौर पर शरीर में गर्माहट पैदा करने में सहायक है जिससे आप सर्दी जनित समस्याओं से बच जाते हैं।

हल्दी

हल्दी इन दिनों में गर्माहट का अच्छा स्त्रोत है और यह एंटी बैक्टीरियल व एंटी फंगल गुणों से भरपूर है। गर्म दूध में हल्दी का सेवन तो अमृत के समान माना गया है।

अदरक

अदरक वाली चाय का मजा ही कुछ और होता है। इन दिनों में इसके फायदे भी आपके लिए दुगुने होते हैं, क्योंकि यह न केवल शरीर को गर्माहट देती है बल्कि मौसम की बीमारियों से आपको बचाती है। सूखी अदरक यानि सौंठ का सेवन भी इस मौसम में लाभकारी है।

लहसुन

लहसुन को भून कर खाने से सर्दी ठीक होती है, यह तो दादी मां के नुस्खों में से एक है। ऐसे कई फायदों में लहसुन से मौसमी बीमारियों का बचाव भी शामिल है।

सेहत और सुंदरता देता है तेज पत्ता

तेजपत्ते का इस्तेमाल केवल खाने में डालने तक ही सीमित नही हैं। कई लोगों को ये जानकर हैरानी हो सकती है कि तेजपत्ते के इस्तेमाल से आप अपनी त्वचा व बालों को भी फायदा पहुंचा सकते हैं। आइए, जानते हैं कि किस तरह से आप तेजपत्ते को अपनी सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

- चेहरे पर दाग, धब्बे या मुहांसे होने पर तेजपत्ता काफी लाभदायक होता है। तेजपत्ते का लेप या फिर तेजपत्ता डालकर उबाले गए पानी से चेहरा धोना, चेहरे को साफ और बेदाग बनाए रखने में मदद करता है।
- तेजपत्ते का पानी सूर्य की किरणों से प्रभावित त्वचा को भी ठीक करने में मदद करता है, और त्वचा की रंगत को समान बनाए रखने में मदद करता है।
- बालों को नर्म, मुलायम और चमकदार बनाए रखने के लिए तेजपत्ते का उपयोग बेहद असरकारक होता है। आप चाहें तो इसे तेल में डालकर उस तेल को बालों की जड़ों में लगा सकते हैं, या फिर इसके पानी से बालों को धो सकते हैं।
- तेजपत्ते का लेप बनाकर बालों में लगाने से रूसी की समस्या से निजात मिल सकती है। इसे लेप को दही में मिलाकर भी लगाया जा सकता है, ताकि सिर की त्वचा में नमी बनी रहे और पोषण भी मिले।
- तेजपत्ते को सुखाकर उसके पाउडर को मंजन की तरह इस्तेमाल करना, दांतों की सफेदी और चमक बरकरार रखने में कारगर है। आप चाहें तो इसे सप्ताह में एक दिन आजमा सकते हैं।
- अगर किसी को काफी समय से कमर दर्द हो, तो इस काढ़े को पीने से जल्दी आराम मिलता है। आप चाहें तो कमर पर तेजपत्ते के तेल से मालीश भी कर सकते है।
- शीत लहर से होने वाले शारीरिक दर्द को भी ये काढ़ा दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आप 10 ग्राम तेजपत्ता, 10 ग्राम अजवायन और 5 ग्राम सौंफ को एक साथ पीसकर मिश्रण तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को 1 लीटर पानी में डालकर अच्छी तरह से उबाल लें। जब पानी उबलने के बाद 100-150 मिलीलीटर बच जाए तो गैस बंद कर दें। कुछ देर बाद जब ये मिश्रण ठंडा जाएगा तो आपका काढ़ा पीने के लिए तैयार है।
- अगर कही पर मोच आ गई हो, तो सूजन और दर्द से राहत देने में तेजपत्ते का काढ़ा सहायक होता है। आप चाहें तो तेजपत्ता को पीसकर उसका लेप भी दर्द वाली जगह पर लगा सकते हैं इससे भी राहत मिलती है।
- अगर नसों में सूजन हो या नसों में खिंचाव, तो भी तेजपत्ते का काढ़ा आराम पहुंचाता है।
- तेजपत्ते में कॉपर, पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, सेलेनियम और आयरन काफी मात्रा में मौजूद होता है। इसमें कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स होते है जो कैंसर, ब्लड क्लॉटिंग और दिल संबंधित कई गंभीर बीमारियों से बचाने में भी मदद करते हैं।

काम का दबाव बढ़ा रहा है हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क

अगर आप एक महिला हैं। घर-ऑफिस की जिम्मेदारी बराबर से संभाल रही हैं, तो समय आ गया है कि आप अपनी सेहत पर ध्यान दें। क्योंकि अब स्थिति पहले जैसी नहीं रही। कहीं ऐसा ना हो, कि भागदौड़ और काम के दबाव के चलते आप हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी बीमारी की गिरफ्त में आ जाएं। सुनकर थोड़ी हैरत होगी, लेकिन यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि एक स्टडी में सामने आई है।

यूरोपीय स्ट्रोक संगठन में पेश किए गए एक अध्ययन के अनुसार, महिलाओं में काम के दबाव और नींद की कमी के चलते हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ रहा है।

पुरूषों के मुकाबले महिलाओं में हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा

आमतौर पर डायबिटीज, आरटियल हाइपरटेंशन, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल, धूम्रपान और मोटापा ह्दय रोग के जोखिम में शामिल हैं। अध्ययन के अनुसार, वर्क प्रेशर, तनाव, नींद संबंधी विकार के कारण हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामले पुरूषों के मुकाबले महिलाओं में तेजी से बढ़ रहे हैं। स्टडी के ऑथर कहते हैं कि परंपरागत रूप से पुरूषों को महिलाओं की तुलना में दिल के दौरे और स्ट्रोक से ज्यादा प्रभावित माना जाता है। लेकिन अब कुछ देशों में इस मामले में महिलाओं ने पुरूषों को पीछे छोड़ दिया है। अब काम का तनाव महिलाओं को दिल की बामारी की चेतावनी का संकेत दे रहा है।

तनाव और थकावट है कारण

अध्ययन में पाया गया कि भले ही पुरूषें में महिलाओं की तुलना में धूम्रपान करने और माटे होने की संभावना ज्यादा थी, लेकिन हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामले सबसे ज्यादा महिलाओं में देखे गए। यूनिवर्सिटी हॉस्पीटल ज्यूरिख के न्यूरोलॉजिस्ट और उनकी टीम का कहना है कि महिलाओं में इन गंभीर बीमारियों में वृद्धि होने की वजह वर्कप्लेस पर ज्यादा काम का तनाव, नींद संबंधी विकार और थकावट है।

फुल टाइम जॉब करने वाली महिलाओं को हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा

चौकाने वाली बात ये है कि इन बीमारियों का जोखिम फुल टाइम जॉब करने वाली महिलाओं में सबसे ज्यादा देखा गया है। टीम के अनुसार, ऑफिस में फुल टाइम जॉब करने वाली महिलाओं पर घर और ऑफिस की जिम्मेदारी निभाने का दबाव उन महिलाओं के मुकाबले ज्यादा रहता है, जो तीन से चार घंटे की नौकरी करती हैं।

थकान और नींद संबंधी विकारों में हुई वृद्धि

रिसर्चर्स ने 2007, 2012 और 2017 के स्विस हेल्थ सर्वे में 22000 महिलाओं और पुरूषों के डाटा की तुलना की। इसमें उन्होंने पाया कि कार्डियोवस्कुलर डिसीज के लिए गैर पारंपरिक जोखिम वाले कारकों की रिपोर्ट करने वाली महिलाओं की संख्या में खतरनाक रूप से वृद्धि हुई। कुल मिलाकर काम के दौरान स्ट्रेस लेने वाले पुरूष और महिलाओं की संख्या 2012 में 59 प्रतिशत से बढ़कर 2017 में 66 प्रतिशत हो गई। जबकि काम के बाद थकान महसूस करने वालों की संख्या 23 प्रतिशत से बढ़कर 29 प्रतिशत हो गई। इस अवधि में नींद संबंधी विकारों की संख्या 24 प्रतिशत से बढ़कर 29 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई। नींद संबंधी विकार के मामले जहां पुरूषों में 5 प्रतिशत बढ़े, वहीं महिलाओं में 8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है।

इस रिसर्च के बाद यह तो साफ है कि अब हार्ट अटैक और स्ट्रोक पुरूषों से जुड़ी बीमारी नहीं रही, बल्कि अगर ध्यान न दिया जाए, तो काम के दबाव के चलते महिलाओं में भी इन गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे हालातों से बचने के लिए महिलाओं को काम करते हुए कम तनाव और अच्छी नींद लेने की बहुत जरूरत है।

यूक्रेन पर हमले का 37वां दिन : इकोनॉमी बचाने के लिए रूस की जिद, कहा-

गैस का भुगतान रूबल में ही करना होगा, जर्मनी ने विरोध में करार रद्द किया

कीव

रूस और यूक्रेन के बीच जंग 36वें दिन भी जारी है। अब राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उस आदेश पर साइन कर दिए हैं, जिसके मुताबिक आज से विदेशी खरीदारों को गैस के लिए भुगतान रूबल में ही करना होगा। पुतिन ने कहा कि अगर भुगतान नहीं होता है तो कॉन्ट्रैक्ट को रोक दिया जाएगा। वहीं, पुतिन के इस कदम को जर्मनी ने ब्लैकमेल बताते हुए खारिज कर दिया। जर्मनी के अर्थव्यवस्था मंत्री रॉबर्ट हैबेक ने कहा कि पुतिन हमें ब्लैकमेल नहीं कर सकते। इसके अलावा ब्रिटेन और फ्रांस ने भी इस मांग का विरोध किया है। इनका कहना है कि गैस खरीदने का कॉन्ट्रैक्ट पहले यूरो या डॉलर में तय हुआ था और इस तरह बीच में इसे तोड़ा नहीं जा सकता है। इसके साथ रूस, यूरोप की लगभग एक तिहाई गैस की आपूर्ति करता है।

चेर्नोबिल न्यूक्लियर पावर प्लांट से हट रही है रूसी सेना:- अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रूसी सेना ने 24 फरवरी को चेर्नोबिल न्यूक्लियर पावर प्लांट पर कब्जा कर लिया था। यहां से अब रूसी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू कर दिया है। अधिकारी ने बताया, सैनिक चेर्नोबिल से दूर जा रहे हैं और बेलारूस में प्रवेश कर रहे हैं।

रोज 10 लाख बैरल कच्चा तेल जारी करेगा अमेरिका:- अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन पर हमले के मद्देनजर फ्यूल की बढ़ती कीमतों को कम करने के लिए अगले छह महीनों तक रोज 10 लाख बैरल तेल जारी करने की घोषणा की है। व्हाइट हाउस ने कहा कि यूक्रेन में सैन्य आक्रमण के कारण रूस पर अमेरिका समेत कई देशों के आर्थिक प्रतिबंधों से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं।

पुतिन ने कहा कि रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने के लिए विदेशी खरीदारों को रूसी बैंकों में रूबल खाते खुलवाने होंगे। आज से इन्हीं खातों से गैस आपूर्ति के लिए भुगतान स्वीकार किया जाएगा। नाटो के महासचिव जेंस स्टोल्टेनबर्ग ने कहा है कि यूक्रेन में रूसी सैनिक पीछे नहीं हट रहे हैं, बल्कि डोनबास क्षेत्र के लिए एकत्र हो रहे हैं। अमेरिका की एक कंपनी ने कहा कि रूस-यूक्रेन जंग शुरू होते ही यूरोप में साइबर हमला हुआ था। यूक्रेन की डिफेंस मिनिस्ट्री के मुताबिक, अब तक रूसी सेना ने 1,370 मिसाइलें दागी हैं और यूक्रेन के 15 हवाई अड्डों को तबाह कर दिया है। यूक्रेन ने दावा किया है कि लगातार हो रही रूसी बमबारी में अब तक 148 बच्चों की मौत हुई है। रूस की सेना ने यूक्रेन के दि्नप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में स्थित सैन्य बेस पर हमला किया है। यूक्रेनी मीडिया के अनुसार यहां के गवर्नर वैलेंटिन रेजनिचेंको ने कहा कि हमले में दो लोगों की मौत हुई है।

पाकिस्तान में सियासी घमासानः 40 मिनट चला इमरान का इमोशनल ड्रामा,

भारत-मोदी से लेकर यूएस तक का जिक्र आधा वक्त मजहबी तकरीर में गुजारा

इस्लामाबाद

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की सत्ता आखिरी सांसें गिनती नजर आ रही है। गुरुवार को अविश्वास प्रस्ताव पर बहस और वोटिंग स्पीकर की मदद से टल गई। इसके बाद देर शाम इमरान खान ने करीब 40 मिनट तक फुल इमोशनल ड्रामे के साथ देश को संबोधित किया। इस संबोधन का ज्यादातर हिस्सा मजहबी तकरीरों में गुजरा। उन्होंने भारत, नरेंद्र मोदी के अलावा अमेरिका का जिक्र किया। 27 मार्च से जिस सीक्रेट लेटर पर हर जगह चर्चा और कयासबाजी हो रही थी। उसको अपनी सरकार के खिलाफ विदेशी साजिश बताया। हमेशा की तरह विपक्षी नेताओं को चूहा और चोर बताया।

काठमांडू में मोदी से छिपकर मिलते थे नवाज

इमरान ने एक भारतीय पत्रकार की किताब का हवाला देते हुए कहा- नवाज शरीफ काठमांडू में छिपकर नरेंद्र मोदी से मिलते थे। जनरल राहिल शरीफ को मोदी ने आतंकी कहा था। इसके बावजूद मोदी यहां शरीफ के घर शादी में आते हैं। मैंने भारत का कभी विरोध नहीं किया, लेकिन जब उन्होंने कश्मीर में बदलाव किए तो हर मौके और हर प्लेटफॉर्म पर इसके खिलाफ आवाज उठाई। इमरान ने कहा कि सीक्रेट लेटर में लिखा था कि इमरान चला जाता है तो हम पाकिस्तान को माफ कर देंगे। लेकिन ये अविश्वास प्रस्ताव नाकाम हुआ हम पाकिस्तान को देख लेंगे। ये ऑफिशियल लेटर है। ये 22 करोड़ लोगों के मुल्क को डराने की साजिश है। तालिबान के खिलाफ पाकिस्तान की लड़ाई पर इमरान ने कहा- मैंने वॉर इन टेरर पर जनरल मुशर्रफ का विरोध किया। मैंने अमेरिका और इंग्लैंड का भी कभी विरोध नहीं किया। 9/11 में कोई पाकिस्तानी शामिल नहीं था। मुशर्रफ ने गलती ये की कि हम अमेरिका के हिमायती और सोवियत रूस के खिलाफ हो गए।% हमने हिमायत की और बदले में क्या मिला। क्या किया नाटो ने? हमारे 80 हजार लोग मारे गए।

बकौल इमरान- जब मैं पीएम बना तो मैंने कहा कि पाकिस्तान की फॉरेन पॉलिसी आजाद होनी चाहिए। पूछा जाता है कि मैंने अब्सोल्युटली नॉट क्यों कहा? मैंने तो अमन की बात की थी। मैंने कहा था कि हम आपके साथ जंग में नहीं हैं। मैं किसी के खिलाफ नहीं हूं। मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारी 22 करोड़ लोग हैं। संडे को वोटिंग होगी। इस मुल्क का फैसला होगा कि हम कहां जाएंगे।

बागी सांसदों को निशाने पर लेते हुए इमरान ने कहा- कुछ लोगों ने कहा कि मैं रिजाइन कर दूं। मैं आखिरी गेंद तक मुकाबला करता हूं। वोट का चाहे जो नतीजा हो। मैं चाहता हूं सारी कौम देखे। लोकतंत्र में लोग रिजाइन करते हैं, लेकिन 20 या 25 करोड़ में बिकने वालों के सामने मैं रिजाइन नहीं करूंगा। ये सब कौम के सामने हो रहा है।

ये लोग उसुलों वाले नहीं है। इनका कोई सिद्धांत नहीं है। ये मुल्क का सौदा कर रहे हैं। मुझे अब भी उम्मीद है कि मेरे लोग वापस आएंगे। दूसरे देश की साजिश में शामिल हुए, लोग को जनता माफ नहीं करेगी।

नेशनल असेंबली 3 अप्रैल तक स्थगित...

आज पाकिस्तान की नेशनल असेंबली (संसद) में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस होनी थी, लेकिन बहस शुरू होने से पहले ही संसद को स्थगित कर दिया गया। अब 3 अप्रैल को इस पर वोटिंग होगी। पाकिस्तनी मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, इमरान ने विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव वापस लेने के बदले संसद भंग करने का ऑफर दिया है। इमरान की इस पेशकश पर पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज का कहना है कि, इमरान मुल्क के मुजरिम हैं, हम उन्हें बैकडोर से भागने का मौका नहीं देंगे। वहीं पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के मुखिया बिलावल भुट्टो का कहना है या तो इमरान इज्जत से कुर्सी छोड़ दें या फिर अविश्वास प्रस्ताव का सामना करें।

भारत आए अमेरिकी डिप्टी एनएसए की धमकी : कहा-

चीन ने घुसपैठ की तो रूस बचाने नहीं आएगा; मॉस्को पर लगे प्रतिबंध नहीं मानने वाले देश अंजाम भुगतेंगे

नई दिल्ली

अमेरिका ने गुरुवार को आगाह किया कि रूस के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों को दरकिनार करने वाले देशों को अंजाम भुगतने होंगे। अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी NS) दलीप सिंह ने अपने भारत यात्रा के दौरान एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा- कोई भी इस बात पर भरोसा नहीं करेगा कि अगर चीन ԯԮ का उल्लंघन करता है तो रूस भारत की मदद के लिए दौड़ता हुआ आएगा। दलीप ने कहा

कि भारत की रूस से ऊर्जा खरीदी फिलहाल अमेरिकी प्रतिबंध का उल्लंघन नहीं है, लेकिन हम चाहते हैं कि भारत रूस पर अपनी निर्भरता कम करे। रूस के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले दलीप सिंह बुधवार को दो दिन के दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे हैं। दलीप ने यह बयान उस दिन दिया, जब रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव दो दिन के भारत दौरे पर दिल्ली पहुंचे हैं। रूसी विदेश मंत्री के इस दौरे में रूसी तेल की खरीद सहित द्विपक्षीय व्यापार के लिए रूबल-रुपए पेमेंट सिस्टम पर चर्चा होने की संभावना है। रूस से किफायती दरों पर तेल खरीदने के भारत के फैसले के बारे में पूछे जाने पर दलीप ने कहा कि अमेरिका भारत की ऊर्जा और डिफेंस इक्विपमेंट की जरूरत पूरा करने के लिए तैयार है। क्वाड सहयोग का जिक्र करते हुए दलीप ने कहा कि समूह में इस बात को मान्यता दी गई है कि चीन स्वतंत्र, खुले और सुरक्षित हिंद-प्रशांत के लिए एक रणनीतिक खतरा है। दलीप ने कहा- आप इस वास्तविकता से मुंह नहीं मोड़ सकते कि चीन और रूस ने नो लिमिट पार्टनरशिप का ऐलान किया है।

न्यूज ब्रीफ

बर्लुस्कोनी 53 साल छोटी महिला से शादी कर सुर्खियों में

इटली। इटली के पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी बेहद दिलफेंक किस्म इंसान हैं। मॉडलों के साथ दोस्ती को लेकर को लेकर उनका जब-तब नाम जुड़ता रहा है। उन पर एक सेक्स वर्कर के साथ रात गुजारने के लिए 50 करोड़ रुपए देने का भी आरोप रहा है। नाबालिग लड़कियों संग संबंध बनाने के आरोप भी उन पर लगे हैं। अब 85 साल की उम्र में 32 साल की महिला के साथ शादी की खबरों से चर्चा में हैं।

प्रदर्शनकारियों से बचकर भागे थे बर्लुस्कोनी:- बर्लुस्कोनी काफी रंगीन मिजाज हैं। इस रंगीन मिजाज राजनेता के कई किस्से हैं, जो उन्हें वर्षों से चर्चा में रखे हुए है। महिलाओं और लड़कियों के संग रिश्ते, मौज-मस्ती में डूबे रहना शायद बर्लुस्कोनी की फितरत है। बर्लुस्कोनी जब राष्ट्रपति आवास पर इस्तीफा देने गए थे तो वहां हजारों लोगों की भीड़ ने उनके खिलाफ नारे लगाए और अपशब्द कहे। इस्तीफा सौंपने के बाद प्रदर्शनकारियों से बचने के लिए वे छिपकर भागे थे। कई घोटालों में नाम आने से भी उनकी छवि धूमिल हुई है।

50 साल से कम उम्र की महिलाओं को स्किन कैंसर का खतरा ज्यादा

नई दिल्ली। एक नई रिसर्च में सामने आया है कि 2040 तक सबसे खतरनाक स्किन कैंसर के मरीज दोगुना हो जाएंगे। वहीं, दुनिया में 68 फीसदी ज्यादा लोग इससे अपनी जान नहीं बचा पाएंगे। इस कैंसर को मेलेनोमा कहते हैं। स्किन कैंसर का हर 5 में से 1 मरीज मेलेनोमा का होता है। दुनिया के ज्यादातर देशों में 50 साल से पहले महिलाओं और उसके बाद पुरुषों में इस कैंसर के होने का खतरा ज्यादा है। जामा डर्मेटोलॉजी मैग्जीन में प्रकाशित रिसर्च के अनुसार, कई अफ्रीकी और एशियाई देशों के मुकाबले ऑस्ट्रेलिया में नए मरीजों की संख्या 36 गुना अधिक पाई गई।

12 साल से छोटे बच्चों को नहीं लगेगी वैक्सीन

कोविड वैक्सीनेशन की नई गाइडलाइन जल्द आएगी; गंभीर बीमारी वाले बच्चों को नियम से छूट

नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने फैसला किया है कि 12 साल से कम उम्र के बच्चों को कोरोना की वैक्सीन नहीं लगाई जाएगी। हालांकि, इस बारे में अभी कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा हालात को देखते हुए यह फैसला हो चुका है। अभी देश में 12 साल से कम उम्र के बच्चों को वैक्सीन नहीं लगाई जा रही है। सूत्र यह भी बता रहे हैं कि नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन सरकार को सलाह देने वाली है कि 12 साल से कम उम्र के सिर्फ उन्हीं बच्चों को वैक्सीन दी जाए, जिन्हें पहले से कोई गंभीर बीमारी है।

दो कंपनियों ने सरकार से मंजूरी मांगी

वैक्सीन बनाने वाली दो कंपनियों सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और बायोलॉजिकल-ई ने केंद्र सरकार से 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए वैक्सीन की मंजूरी मांगी है। कंपनियों ने बच्चों पर ट्रायल के नतीजे भी सरकार को बताए हैं।

संक्रमित बच्चों में गंभीर लक्षण नहीं

इन प्रस्तावों पर हेल्थ मिनिस्ट्री ने एक्सपर्ट्स के साथ चर्चा की। इसमें पता चला कि देश में 12 साल से कम उम्र के बच्चे कोरोना की तीनों लहरों के दौरान संक्रमित तो हुए, लेकिन उनमें गंभीर लक्षण नहीं दिखे। इसलिए उन्हें वैक्सीन लगाना जरूरी नहीं है।

देश में 12 से 14 साल के बच्चों को 16 मार्च से वैक्सीन लग रही है। 1.6 करोड़ बच्चों को पहला डोज लग चुका है। वहीं, 15 से 17 साल के 5.71 करोड़ बच्चों को पहल डोज लगाया जा चुका है।

एक्सपर्ट बोले- बच्चे संक्रमण से बीमार नहीं पड़ते दिल्ली-ԯԮԯԮ के कम्यूनिटी मेडिसन डिपार्टमेंट के डॉ. संजय राय ने बताया कि बच्चों को वैक्सीन देने से पहले वैज्ञानिक आधार बताना चाहिए। दुनियाभर में कहीं भी छोटे बच्चों को वैक्सीन की जरूरत नहीं

यह तस्वीर दक्षिण कश्मीर के लिद्दरवाट की है। यह इलाका कभी बर्फ से ढंका रहता था, लेकिन इस बार यहां मार्च के महीने में ही जमीन दिखाई दे रही है।

वैज्ञानिकों ने किया चौंकाने वाला खुलासा

प्लूटो पर मिले बर्फीले ज्वालामुखी आग की जगह उगलते हैं बर्फ

वाशिंगटन

ग्रह का दर्जा छीन लिए जाने के लगभग 16 साल बाद एक बार फिर प्लूटो को लेकर वैज्ञानिकों ने नई रिसर्च की है। इसे नेचर जर्नल में प्रकाशित किया गया है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ԯԮ के अंतरिक्ष यान न्यू होराइजन्स ने प्लूटो की ऊबड़-खाबड़ जमीन पर पहली बार इस तरह के बर्फीले ज्वालामुखी देखे हैं। हैरान करने वाली बात ये है कि ये धरती के ज्वालामुखी की तरह गर्म लावा नहीं उगलते, बल्कि भारी मात्रा में बर्फ उगलते हैं। NASA के अनुसार इस तरह के करीब 10 ज्वालामुखी मिले हैं। हालांकि गुंबद के आकार के ये बर्फीले ज्वालामुखी अभी तक सिर्फ प्लूटो पर ही पाए गए हैं। ऐसे ज्वालामुखी किसी दूसरे ग्रह पर नही मिले हैं। रिसर्च में खोजे गए इस तरह के रहस्यमयी ज्वालामुखी पहले कभी भी सौरमंडल में देखने को नहीं मिले हैं। वैज्ञानिकों ने इन बर्फीले ज्वालामुखी को क्रायोज्वालामुखी नाम दिया है। इनमें पानी जमा हुआ है। अब वैज्ञानिकों को दूसरे ग्रहों पर भी इस तरह के क्रायोज्वालामुखी मिलने की उम्मीद है।

प्लूटो पर की गई इस नई रिसर्च में रोचक फैक्ट सामने आए हैं।

30 से 100 किलोमीटर के इलाके में फैले हुए ज्वालामुखी

साउथवेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक, प्लूटो के दक्षिण पश्चिमी जोन की एक घाटी के नीचे से बड़ी मात्रा में कीचड़ निकल रहा है, जिससे 1-7 किलोमीटर तक के पहाड़ बन रहे हैं। ये 30 से 100 किलोमीटर के इलाके में फैले हुए हैं। स्टडी में बताया गया है कि सौरमंडल के कई और उपग्रहों पर बर्फीले ज्वालामुखी मौजूद हैं, लेकिन वे इस ज्वालामुखी से काफी अलग हैं। अभी यह बता पाना मुश्किल है कि इन्हें यहां पर बने कितना समय हो चुका है। रिसर्च में शामिल केल्सी सिंगर ने कहा कि प्लूटो के अंदर नाइट्रोजन आइस ग्लेशियर्स हैं। इस नाइट्रोजन गैस से बनी बर्फ दिन में भाप बनती है और रात में फिर सॉलिड बन जाती है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

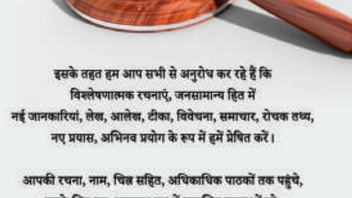

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज़ ब्रीफ

संतोष ट्रॉफी फुटबॉल का 75वां सत्र 16 अप्रैल से होगा शुरू

नई दिल्ली। संतोष ट्रॉफी राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के 75वें सत्र की शुरुआत 16 अप्रैल को केरल के मलप्पुरम में चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों पश्चिम बंगाल और पंजाब के बीच मैच से होगी। टूर्नामेंट के सभी मैच मलप्पुरम के दो स्थलों मंजेरी पय्यानाड स्टेडियम और कोट्टप्पडी स्टेडियम में होंगे। पंजाब और बंगाल के बीच टूर्नामेंट का पहला मुकाबला कोट्टप्पडी स्टेडियम में खेला जायेगा। टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें भाग लेंगी और इसका फाइनल दो मई को मंजेरी पय्यानाड में होगा। इन 10 टीमों को पांच-पांच के दो समूहों में विभाजित किया गया है, जिसमें प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। अंतिम चार के मुकाबले 28 और 29 अप्रैल को खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का मलप्पुरम में आयोजन केरल सरकार की मदद से हो रहा है। ग्रुप ए- मेघालय, पंजाब, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, केरल। ग्रुप बी- गुजरात, कर्नाटक, ओडिशा, सेना, मणिपुर।

कोविड-19 संक्रमण से उबरे एफवन ड्राइवर वेटल, ऑस्ट्रेलियाई ग्रां प्री में लेंगे हिस्सा

सिल्वरस्टोन (ब्रिटेन)। फॉर्मूला वन (एफवन) टीम एस्टन मार्टिन ने गुरुवार को कहा कि उनके अनुभवी ड्राइवर सेबेस्टियन वेटल कोरोना वायरस संक्रमण से उबरने के बाद 'रेस में भाग लेने के लिए फिट% हैं। चार बार के विश्व चैंपियन 10 अप्रैल को ऑस्ट्रेलियाई ग्रां प्री में सत्र की शुरुआत करेंगे। जर्मनी के 34 वर्षीय वेटल कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण सत्र की पहली दो रेस (बहरीन और सऊदी अरब) का हिस्सा नहीं बन सके थे। ब्रिटेन की टीम एस्टन मार्टिन ने कहा, 'हमें इस बात की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है कि वेटल अब रेस के लिए फिट हैं। वह मेलबर्न में लांस स्ट्रोक के साथ 2022 एफवन सत्र की शुरुआत करेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में टीम के रिजर्व ड्राइवर निको हल्केनबर्ग ने दोनों रेस में भाग लिया था। वह बहरीन में 17 वें और फिर सऊदी अरब में 12 वें स्थान पर रहे थे। एस्टन मार्टिन इस सत्र में अब भी अपने पहले अंक की तलाश है।

पाकिस्तान ने चेज किया 348 रन का टारगेट : बाबर आजम-इमाम उल हक ने जड़ा शानदार शतक, ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से मिली हार, सीरीज 1-1 से बराबर

इस्लामाबाद

पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच लाहौर में खेले गए दूसरे वनडे में पाक टीम ने इतिहास रच दिया। पाक टीम ने 348 रन के टारगेट को सिर्फ चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। मैच में पाकिस्तान की ओर से बाबर आजम और इमाम उल हक ने शानदार शतक जड़े। इमाम ने फखर जमान के साथ पहले विकेट के लिए 118 रन और बाबर आजम के साथ दूसरे विकेट के लिए 111 रन की साझेदारी की। फखर जमान के बल्ले से भी 67 रन निकले। इस जीत के साथ ही सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है। इमाम उल हक ने 97 गेंद पर 106 रन की पारी खेली। वहीं, कप्तान बाबर आजम के बल्ले से सिर्फ 83

गेंद पर 114 रन निकले। पिछले मैच में पाकिस्तान की हार के बाद टीम की काफी आलोचना हुई थी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए बेन मैक्डर्मोट ने जड़ा डेब्यू मैच में शतक

ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन मैक्डर्मोट ने अपने करियर का पहला शतक लगाया। ट्रेविस हेड के साथ उनकी शतकीय साझेदारी के कारण ही टीम आठ विकेट पर 348 रन का बड़ा स्कोर बना पाई। सिर्फ चौथा मैच खेल रहे मैक्डर्मोट ने 108 गेंद में 10 चौकों और चार छक्कों की मदद से 104 रन बनाए। उनके अलावा हेड ने 70 गेंद में 89 रन की पारी खेली। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी हुई। मार्नस लाबुशेन के बल्ले से भी 59 रन निकले।

ऑस्ट्रेलिया ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

इससे पहले 1998 में पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने कराची में आठ विकेट पर 324 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ अब तक कमाल का खेल दिखाया है। टेस्ट सीरीज में भी कंगारूओ ने पाकिस्तान को कड़ी टक्कर दी थी और सीरीज अपने नाम की थी। दोनों टीमों के बीच अगला वनडे मैच शनिवार को खेला जाएगा।

टीम इंडिया का जुलाई में वेस्टइंडीज दौरा

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत 3 वनडे और 5 टी-20 मैच प्रस्तावित

5 टी-20 मैच
9-19 जून, साउथ अफ्रीका के साथ (भारत)

2 टी-20 मैच
26-28 जून, आयरलैंड के साथ (आयरलैंड)

1टेस्ट, 3 टी-20, 3 वनडे मैच
1- 17 जुलाई, इंग्लैंड के साथ (इंग्लैंड)

आखिरी 2 टी-20 अमेरिका में खेले जा सकते हैं

नई दिल्ली

टीम इंडिया इंग्लैंड में जुलाई में इंग्लैंड दौरे के बाद वहां से आखिरी हफ्ते में वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी। वहां 3वनडे और 5 टी-20 मैच खेले जाने हैं। उसके बाद वेस्टइंडीज खिलाड़ी कैरेबियन प्रीमियर लीग की अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी में शामिल होंगे, जो 29 अगस्त से शुरू हो जाएगी। टी-20 के आखिरी 2 मैच अमेरिका में खेले जा सकते हैं। हालांकि, अभी दौरे को लेकर अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

2 मैच अमेरिका में खेले जा सकते हैं

क्रिकेट की वेबसाइट क्रिकबज के अनुसार भारतीय टीम इंग्लैंड में एक टेस्ट और पांच वाइट बॉल के मैच खेलने के बाद जुलाई के आखिरी हफ्ते में वहां से वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी। क्रिकेट वेस्टइंडीज प्रस्तावित 5 टी-20 मैच के आखिरी 2 मैच अमेरिका के फ्लोरिडा के लॉडहिल में कराने की योजना तैयार कर रही है।

अमेरिका में हो चुके हैं 6 अंतरराष्ट्रीय मैच

ऐसा नहीं है कि अमेरिका में पहली बार अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जाएगा। इससे पहले 6 अंतरराष्ट्रीय मैच हो चुके हैं। भारत ने भी यहां 4 मैच खेले हैं। 2016 और 2019 में 2-2 मैच खेले हैं।

IPL के बाद टीम इंडिया शेड्यूल बिजी:- इंडियन प्रीमियर लीग 29 मई को खत्म होगा। उसके बाद टीम इंडिया का शेड्यूल काफी बिजी है। जून के पहले हफ्ते अफ्रीकी टीम भारतीय दौरे पर आएगी। 9 जून से 19 जून के बीच 5 टी-20 मैचों की सीरीज है। उसके बाद टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इंग्लैंड के साथ सीरीज से पहले पहले आयरलैंड के साथ 2 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। पहला मै 26 जून और दूसरा 28 जून को खेला जाएगा। वहीं 1-5 जुलाई तक इंग्लैंड के साथ टेस्ट मैच खेलना है। 7 से 10 जुलाई तक 3 टी-20 मैच और 12 जुलाई से 17 जुलाई तक 3 वनडे मैच खेलने हैं।

हार के बाद चेन्नई के मुख्य कोच बोले-

ओस ऐसे गिर रही थी जैसे नियाग्रा फॉल से पानी

मुंबई

चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपनी टीम के आईपीएल मैच के दौरान ओस की तुलना नियाग्रा फॉल से करते हुए 19वां ओवर किसी स्पिनर के बजाय शिवम दुबे को सौंपने के फैसले को सही करार दिया। लखनऊ को अंतिम 12 गेंदों पर 34 रन की जरूरत थी। चेन्नई के कप्तान रविंद्र जडेजा ने 19वां ओवर दुबे को सौंपा जिस पर मैन ऑफ द मैच इविन लुईस और आयुष बडोनी ने मिलकर 25 रन बनाए। इससे लखनऊ को आखिर ओवर में जीत के लिये केवल नौ रन चाहिए थे जो उसने तीन गेंद शेष रहते हुए बना दिए। फ्लेमिंग ने मैच के बाद कहा, 'यदि आप पहले की स्थिति पर गौर करो तो स्पिन विकल्प को नहीं आजमाया जा सकता था क्योंकि जहां तक नमी का सवाल है तो वह नियाग्रा जलप्रपात जैसी थी और उन्होंने (लखनऊ) ने अच्छा खेल दिखाया। उन्होंने कहा, 'ओस बहुत गिर रही थी और ऐसे में स्पिनरों के लिये गेंद पर ग्रिप बनाना बहुत मुश्किल हो रहा था। ऐसी स्थिति में उनके लिए प्रभाव छोड़ना आसान नहीं था। हमने पहले ही उनसे एक ओवर कम करवाया था लेकिन उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया।%फ्लेमिंग ने कहा, 'हम जानते थे कि हमें बीच में कहीं पर यह ओवर पूरा करना होगा। हमें उम्मीद थी कि आखिर में हमारे पास पर्याप्त रन रहेंगे और हम किसी से यह ओवर करवाएंगे।% जडेजा ने दो ओवर में 21 जबकि मोईन अली ने एक ओवर में 14 रन दिए थे जिससे चेन्नई को मध्यम गति के गेंदबाज दुबे को गेंद सौंपनी पड़ी थी।

बार्सीलोना के घरेलू स्टेडियम में महिला मैच के दौरान सर्वाधिक दर्शक का बना रिकॉर्ड

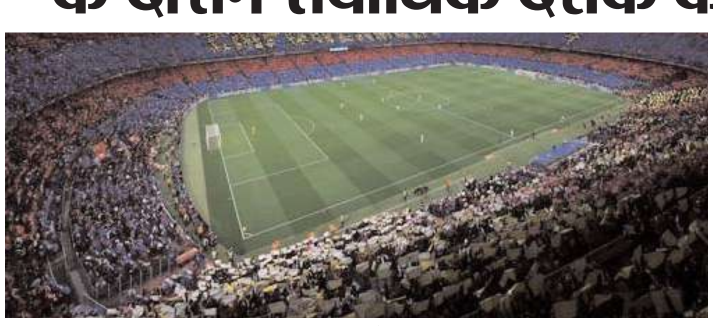

बार्सीलोना

बार्सीलोना और रीयाल मैड्रिड के बीच बुधवार को यहां खेले गए महिला चैम्पियंस लीग के मैच के दौरान नोउ कैंप स्टेडियम में रिकॉर्ड 91,000 से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। बर्सीलोना ने इस मैच को 5-2 से जीतकर घरेलू दर्शकों के लिए इस मौके को और यादगार बना दिया। आयोजकों ने बताया कि बुधवार को यहां मैच के दौरान स्टेडियम में 91,553 लोग उपस्थित थे। इससे पहले यह रिकॉर्ड अमेरिका और चीन के बीच 1999 विश्व कप फाइनल के नाम था। इस मैच के दौरान रोज बाउल स्टेडियम में 90,185 दर्शक मौजूद थे। स्पेन की घरेलू लीग में सबसे ज्यादा दर्शकों का रिकॉर्ड 2019 में बना था। एटलेटिको मैड्रिड और बार्सीलोना के बच खेले गये मैच को देखने के लिए तब 60,739 दर्शक पहुंचे थे।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

लुईस ने जड़ा इस सीजन का सबसे तेज अर्धशतक, लखनऊ ने 6 विकेट से जीता मैच

लखनऊ

लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच आईपीएल 2022 का 7वां मैच मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला गया। लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने टॉस जीत लिया है और पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ के सामने 210 रन बनाए। चेन्नई के लिए उथप्पा ने अर्धशतकीय पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने आई लखनऊ की टीम ने क्विंटन डिकॉक और एविन लुईस की अर्धशतकीय पारियों के बदौलत चेन्नई को 6 विकेट से हरा दिया। चेन्नई सुपर किंग्स को पहला झटका रुतुराज गायकवाड़ के रूप में लगा। रुतुराज एक रन पर रन आउट होकर पवेलियन लौटे। रॉबिन उथप्पा ने तेजी से रन बनाने शुरू किए। उथप्पा ने मोईन अली के साथ मिलकर पावरप्ले में टीम का स्कोर 73 रन तक पहुंचा दिया। अर्धशतक बनाने

के बाद ही रवि बिश्नोई ने उथप्पा को अपनी गेंद पर फंसा लिया। उथप्पा ने 27 गेंदों पर 8 चौके और एक छक्के की मदद से 50 रन बनाए। चेन्नई को तीसरा झटका मोईन अली के रूप में लगा। मोईन ने 22 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 35 रन बनाए। उन्हें आवेश खान ने बोल्ड किया। अंबाती रायुडू के रूप में चेन्नई को चौथा झटका लगा। रायुडू 20 गेंदों पर दो चौके और 2 छक्के की मदद से 27 रन बनाकर रवि बिश्नोई का शिकार बने। अच्छी बल्लेबाजी कर रहे शिवम दुबे मात्र एक रन से अर्धशतक से चूक गए। छक्का लगाने की कोशिश में दुबे ने आवेश खान की गेंद पर एविन लुईस को कैच थमा दी। चेन्नई का 6वां विकेट कप्तान रविंद्र जडेजा के रूप में गिरा। जडेजा 9 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 17 रन बनाकर आउट हुए। इसकी अगली ही गेंद पर प्रिटोरियस शून्य पर आउट हुए। कप्तान केएल राहुल और क्विंटन डिकॉक ने लखनऊ की टीम को तेज शुरूआत दी। दोनों ही बल्लेबाजों ने पहले 5 ओवर में 51 रन बना डाले। लखनऊ सुपर जायंट्स को पहला झटका कप्तान केएल राहुल के रूप में लगा। प्रिटोरियस ने राहुल को आउट करके 99 रन की सलामी साझेदारी को तोड़ा। राहुल ने 26 गेंदों पर 2 चौके और 3 छक्के की मदद से 40 रन बनाए। पहला विकेट गिरने के बाद तुषार देशमुख ने मनीष पांडे को 5 रन पर आउट करके लखनऊ की टीम को दूसरा झटका दिया। लखनऊ की टीम को सबसे बड़ा झटका क्विटंन डिकॉक के रूप में लगा। डिकॉक 45 गेंद पर 9 चौके लगाकर 61 रन बनाकर आउट हुए। ड्वेन ब्रावो ने दीपक हुडडा को आउट करके चेन्नई को चौथी सफलता दिलाई। हुड्डा 13 रन बनाकर आउट हुए। एविन लुईस ने 19वें ओवर में शिवम दुबे को 25 रन ठोक डाले और मैच को लखनऊ की ओर ले गए।

न्यूज ब्रीफ

अंबानी Vs अडाणी

FY22 में अंबानी ने हर दिन 378 करोड़ रुपए कमाए, अडाणी की नेटवर्थ 70 फीसदी बढ़ी

मुंबई। भारत और एशिया के दो सबसे बड़े रईस रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी और अडाणी ग्रुप के मालिक गौतम अडाणी के लिए वित्त वर्ष 2021-2022 बेहद शानदार रहा है। गौतम अडाणी की नेटवर्थ में जहां 69.70 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है तो मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 20.67 फीसदी बढ़ी है। नेटवर्थ के मामले में एशिया में अंबानी पहले और अडाणी दूसरे नंबर पर है। ब्लूमबर्ग की बिलेनियर्स लिस्ट में फिलहाल मुकेश अंबानी दुनिया में 98.2 अरब डॉलर (करीब 7.4 लाख करोड़ रुपए) की नेटवर्थ के साथ 10वें नंबर पर है और गौतम अडाणी 96.9 अरब डॉलर (करीब 7.3 लाख करोड़ रुपए) की नेटवर्थ के साथ 11वें नंबर पर। वहीं FY22 में अडाणी ने हर दिन करीब 756 करोड़ रुपए की कमाई की। अंबानी ने हर दिन लगभग 378 करोड़ रुपए जोड़े।

फडणवीस के खिलाफ याचिकाएं दाखिल करने वाले वकील के घर ईडी का छापा

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ पिछले कुछ वर्षों में अनेक याचिकाएं दाखिल करने वाले नागपुर के अधिवक्ता के आवास पर छापे मारे। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र की सत्ता में शामिल शिवसेना, एनसीपी व कांग्रेस ने इस कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि ईडी एवं अन्य एजेंसियों का इस्तेमाल भाजपा विरोधी आवाज को दबाने के लिए किया जा रहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने आज सुबह सुबह दल बल के साथ नागपुर में अधिवक्ता सतीश उके के घर जा धमकी। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कड़ी सुरक्षा के बीच छापे मारे और बाद में पूछताछ के लिए उनके भाई के साथ प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय ले जाया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि केन्द्रीय एजेंसी की मुंबई इकाई ने भूमि खरीद फरोख्त मामले में छापे मारे हैं। ईडी के अधिकारी अपने साथ उके का लैपटॉप,कुछ कागजात और उनके परिवार के सदस्यों के चार मोबाइल फोन भी जांच पड़ताल के लिए ले गए हैं। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने एक बयान जारी करके कहा कि भाजपा एवं केंद्र के विरूद्ध उठने वाली आवाज को कुचलने के लिए ईडी जैंसी एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह केंद्र का अघोषित आपातकाल है। उच्चतम न्यायालय एवं बंबई उच्च नयायालय को यह सुनिश्चित करने के लिए दखल देना चाहिए कि लोकतांत्रिक व्यवस्था बनी रहे एवं केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरूपयोग रुके । पटोले ने कहा कि उके मानहानि के मुकदमे में उनका प्रतिनिधित्व कर रहे हैं इसलिए इन वकील की आवाज को दबाने के लिए कार्रवाई की गयी है।

ऑटो सेल्स मार्च 2022 : सप्लाई चेन और सेमीकंडक्टर की कमी से एमजी मोटर्स की बिक्री 14.5 फीसदी गिरी, आयशर को 25 फीसदी का फायदा

नई दिल्ली

ऑटोमोबाइल कंपनियों ने मार्च में हुई गाड़ियों की बिक्री के आंकड़े जारी करना शुरू कर दिए हैं। सालाना आधार की तुलना में मार्च 2022 की सेल्स में गिरावट हुई है। ज्यादातर कंपनियों को सप्लाई चेन प्रभावित होने और सेमीकंडक्टर की कमी के चलते नुकसान हुआ है। चलिए इन सभी कंपनियों के बारे में एक-एक करके जानते हैं।

मारुति सुजुकी की बिक्री 1.15 फीसदी बढ़ी मारुति सुजुकी की मार्च महीने में 167,014 कारें बिकी हैं। कंपनी की सेल में यूटिलिटी व्हीकल, कॉम्पैक्ट सेगमेंट, LCV, वैन का बड़ा योगदान है। इस हिसाब से कंपनी की बिक्री पिछले महीने की तुलना में करीब 1.15 फीसदी बढ़ी है। पिछले साल की तुलना में इस मार्च में घरेलू बिक्री बढ़कर करीब दोगुनी 146,203 हुई। एक्सपोर्ट 146 फीसदी बढ़कर 11,597 यूनिट हुए। मिनी और कॉम्पैक्ट व्हीकल सेगमेंट में बिक्री 103 फीसदी बढ़ी। एमजी की सालाना बिक्री 14.5 फीसदी गिरी एमजी मोटर इंडिया की बिक्री मार्च में सालाना आधार पर 14.5 फीसदी गिर गई। कंपनी का कहना है कि सप्लाई चेन प्रभावित होने की वजह से उसकी बिक्री प्रभावित हुई है। उनके सामने अभी भी सेमीकंडक्टर की कमी बनी हुई है। इसका सीधा असर उनकी कार बिक्री पर हो रहा है। कंपनी ने बीते महीने 4,721 यूनिट की बिक्री की। कंपनी भारतीय बाजार में एस्टर, हैक्टर, ग्लोस्टर और ZS EV बेचती है। हालांकि, कंपनी को मंथली बेस्ड पर 4.2 फीसदी का फायदा मिला है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के ट्रैक्टर की बिक्री बढ़ी:- महिंद्रा की पैसेंजर व्हीकल बिक्री फरवरी के मुकाबले मार्च में करीब 8 फीसदी बढ़ी है। यूटिलिटी व्हीकल सेगमेंट में भी कंपनी के अच्छी डिमांड देखने मिल रही है। कंपनी की ओवरऑल ऑटो सेल 86 फीसदी बढ़ी हैं। कंपनी ने मार्च में 40,403 व्हीकल बेचे हैं। कॉमर्शियल व्हीकल सेगमेंट की बिक्री करीब दोगुनी हो गई है। ट्रैक्टर सेगमेंट में घरेलू बिक्री 122 फीसदी बढ़कर 29,817 यूनिट हो गई है।

एस्कॉर्ट की सालाना बिक्री 45.6 फीसदी गिरी

एस्कॉर्ट लिमिटेड ट्रैक्टर की बिक्री सालाना आधार पर 45.6 फीसदी गिर गई। कंपनी ने बीते महीने घरेलू बाजार में 9,483 और देश के बाहर 591 यूनिट की बिक्री की। हालांकि, मासिक आधार पर कंपनी को 65 फीसदी की धमाकेदार ग्रोथ मिली है। कंपनी का कहना है कि इस साल मानसून सीजन में उसे ट्रैक्टर की डिमांड बढ़ने की उम्मीद है। ट्रक मेकर कंपनी अशोक लेलैंड ने मार्च महीने में 17,231 यूनिट व्हीकल बेचे हैं। फरवरी के मुकाबले मार्च में कंपनी की बिक्री करीब 25 फीसदी बढ़ी है।

एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़े

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 250 रुपए महंगा हुआ, दिल्ली में कीमत 2553 रुपए

9 दिनों बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बढ़ी

नई दिल्ली

महीने के पहले दिन यानी 1 अप्रैल को 19 किलो वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 250 रुपए महंगी हो गई है। दिल्ली में अब यह 2553 रुपए का मिलेगा। फिलहाल 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं पिछले 10 दिनों में लगातार 9 बार कीमत बढ़ाने के बाद आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। अब तक इसमें 6.40 रुपए/ लीटर तक कीमत बढ़ चुकी है। जेट फ्यूल की कीमतों को भी 2 फीसदी तक बढ़ा दिया गया है, इससे हवाई सफर करना महंगा हो सकता है।

19 किग्रा कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की नई कीमतें:- 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर आज से दिल्ली में इसे रीफिल करवाने के लिए 2253 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। 1 मार्च को यह दिल्ली में 2012 रुपए में रीफिल हो रहा था, 22 मार्च को घटकर 2003 रुपए पर आ गया। वहीं, कोलकाता में अब 2087 रुपए के बजाय 2351 रुपए और मुंबई में 1955 की जगह आज से 2205 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। चेन्नई में अब 2138 रुपए के बजाय 2406 रुपए लगेंगे।

22 मार्च को एलपीजी सिलेंडर में 50 रुपए की बढ़ोतरी हुई

एलपीजी ग्राहकों को महंगाई का झटका लगना 22 मार्च से शुरू हुआ था। इस दिन बिना सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर में 50 रुपए की बढ़ोतरी हुई, क्योंकि छह अक्टूबर 2021 के बाद से घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट में कोई बदलाव नहीं आया था। आज, यानी नए वित्तीय वर्ष के पहले दिन भी घरेलू एलपीजी सिलेंडर दिल्ली में 949.50 रुपए, कोलकाता में 976 रुपए, मुंबई में 949.50 रुपए और चेन्नई में 965.50 रुपए में रीफिल हो रहा है।

कॉमर्शियल सिलेंडर 22 मार्च को 9 रुपए सस्ता हुआ

1 मार्च को 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट में 105 रुपए का इजाफा हुआ था और 22 मार्च को 9 रुपए सस्ता हुआ। वहीं, अक्टूबर 2021 से एक फरवरी 2022 के बीच कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 170 रुपए बढ़े हैं। दिल्ली में 1 अक्टूबर को कॉमर्शियल सिलेंडर का दाम 1736 रुपए था। नवंबर 2021 में यह 2000 का हुआ और दिसंबर 2021 में 2101 रुपए का हो गया। इसके बाद जनवरी में यह फिर सस्ता हुआ और फरवरी 2022 को और सस्ता होकर 1907 रुपए पर आ गया। इसके बाद 1 अप्रैल 2022 को यह 2253 रुपए पर पहुंच गया। हवाई सफर करने वालों के लिए बड़ी खबर है। अप्रैल महीने के पहले दिन ही जेट फ्यूल या एयर टरबाइन (ऋञ्ज्र) के दाम बढ़ गए हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने जेट फ्यूल की कीमतों में 2 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। इसके बाद जेट फ्यूल की कीमत 1,12,924.83 रुपए प्रति किलोलीटर के रिकॉर्ड पर पहुंच गई है।

एम-कैप में अदाणी समूह की चांदी

वित्त वर्ष 2022 में शीर्ष घरानों का एम-कैप

समूह	प्रमुख कंपनी	बाजार पूंजीकरण*	सालाना वृद्धि**
टाटा	टाटा कंसल्टैंसी सर्विसेज	23.76	33.6
मुकेश अंबानी	रिलायंस इंडस्ट्रीज	18.16	38.1
अदाणी	अदाणी ग्रीन	12.53	87.8
बजाज	बजाज फाइनैंस	8.91	42.9
बिड़ला एवी	अल्ट्राटेक सीमेंट	5.12	16.6

*बाजार पूंजीकरण लाख करोड़ रुपये में, **वृद्धि फीसदी में।
स्रोत : कैपिटलाइन, ब्लूमबर्ग, संकलन : बीएस रिसर्च

- वित्त वर्ष 2022 में अदाणी समूह का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 88 फीसदी बढ़ा, उसके बाद जेएसडब्ल्यू समूह के बाजार पूंजीकरण में 75 फीसदी का हुआ इजाफा

मुंबई

भारत के बड़े कारोबारी घरानों के स्वामित्व वाले कारोबारी समूह का प्रदर्शन लगातार अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले बेहतर रहा है। बाजार पूंजीकरण (एम-कैप) के हिसाब से तीन बड़े कारोबारी समूहों - टाटा, मुकेश अंबानी और अदाणी समूह के पास समेकित रूप से देश में परिवारों के स्वामित्व वाले सभी उपक्रमों के बाजार पूंजीकरण का 34.2 फीसदी है, जो मार्च 2021 में 31 फीसदी और दिसंबर 2016 के अंत में 22 फीसदी था। तीनों बड़े कारोबारी समूहों का एकीकृत बाजार पूंजीकरण गुरुवार को 54.45 लाख करोड़ रुपये रहा जो मार्च 2021 के 37.6 लाख करोड़ रुपये से 34.2 फीसदी अधिक है। इसकी तुलना में सभी सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण इस दौरान 24.7 फीसदी बढ़कर 247.2 लाख करोड़ रुपये रहा जबकि परिवारों के स्वामित्व वाली सूचीबद्ध कंपनियों का एकीकृत बाजार पूंजीकरण वित्त वर्ष 2022 में 31.4 फीसदी बढ़कर 159.15 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। बिज़नेस स्टैंडर्ड का यह विश्लेषण बीएसई 500, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में शामिल 1,043 कंपनियों के नमूनों पर आधारित है। गुरुवार को बीएसई पर सभी सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में नमूने में शामिल कंपनियों की हिस्सेदारी 94 फीसदी रही। वित्त वर्ष 2022 में सबसे अधिक फायदे में अदाणी समूह रहा, जिसका बाजार पूंजीकरण 88 फीसदी बढ़ा। समूह की कंपनियों का समेकित बाजार पूंजीकरण गुरुवार को 12.35 लाख करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 6.68 लाख करोड़ रुपये था।

नए फाइनेंशियल ईयर की शुरुआत

गाड़ी और घर खरीदना हुआ महंगा, आधार-पैन लिंक कराने के लिए देने होंगे 500 रुपए

नई दिल्ली

1 अप्रैल से नया फाइनेंशियल ईयर शुरू हो रहा है। इसी के साथ आम लोगों, बैंकिंग और ऑटोमोबाइल सेक्टर से जुड़े कई बदलाव हो रहे हैं। आज से गाड़ी खरीदना और हाईवे पर सफर करना महंगा हो गया है। इसके अलावा अगर आप क्रिप्टो करेंसी में पैसा लगाते हैं तो इससे हुए मुनाफे पर आपको 30 फीसदी टैक्स देना होगा।

सफर करना हुआ महंगा:- नेशनल हाईवे पर सफर करना महंगा होने वाला है। आज यानी गुरुवार रात 12 बजे से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने टोल टैक्स में 10 से 65 रुपए तक की बढ़ोतरी की है। छोटे वाहनों के लिए 10 से 15 रुपए जबकि कमर्शियल वाहनों के लिए 65 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है।

किफायती घर खरीदने पर नहीं मिलेगी एक्स्ट्रा टैक्स छूट:- अब होम लोन के चुकाए गए ब्याज पर आपको टैक्स छूट का फायदा नहीं मिलेगा। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80श्वश्व के तहत 1.5 लाख की अतिरिक्त कटौती का लाभ अब नहीं मिलेगा। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80EEA के तहत घर की कीमत 45 लाख से कम है तो ब्याज भुगतान में डेढ़ लाख तक कटौती का दावा कर सकते थे।

PF के ब्याज पर देना होगा टैक्स:- जिन कर्मचारियों ने PF अकाउंट में 2.5 लाख रुपए से ज्यादा जमा किया है, उन्हें ब्याज पर इनकम टैक्स देना होगा। टैक्स कैलकुलेशन के लिए अमाउंट को दो हिस्सों में बांटा जाएगा।

भारत की हथियारों के आयात में निर्भरता पर पड़ सकता है असर

मुंबई

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध ने सेना पर किए जाने वाले खर्च और हथियारों की खरीद को केंद्र में ला दिया है। अमेरिका ने रूस पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर भी प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है। अगर प्रतिबंधों के माध्यम से अमेरिका के विरोधियों का मुकाबला करने से जुड़े अधिनियम के प्रावधान लागू किए जाते हैं तब यह भारत की रूस से आगे रक्षा खरीद करने की क्षमता में बाधा डालेगा। फिलहाल, भारत अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा सैन्य खर्च करने वालों देशों में से एक है। स्टॉकहोम इंटरनैशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) के आंकड़ों से पता चलता है कि 2016 से 2020 के बीच, भारत ने सेना पर 331.8 अरब डॉलर खर्च किए जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 2.6 फीसदी है। हालांकि चीन ने भारत की तुलना में तीन गुना अधिक खर्च किया लेकिन सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात के लिहाज से इसने सेना पर केवल 1.7 प्रतिशत खर्च किया है। हालांकि, भारत के रक्षा खर्च का एक बड़ा हिस्सा अन्य देशों से हथियारों के आयात में चला गया। भारत वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा है और उसने 2017-21 में चीन की तुलना में लगभग दोगुना खर्च किया है। भारत के हथियारों के आयात को टक्कर देने वाला एकमात्र अन्य देश सऊदी अरब था। आगे के विश्लेषण से संकेत मिलता है कि भारत का हथियार आयात, कुल आयात के अनुपात के रूप में बढ़ रहा है। 2021 में, वैश्विक हथियारों के आयात में देश का योगदान 17.2 प्रतिशत था और 30 सालों में इसकी दूसरी सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। 2013 में, पांच आयातित हथियारों में से एक में भारत का योगदान था। देश डेढ़ दशक पहले तक रूस पर बहुत अधिक निर्भर था लेकिन अब भारत के आयात में इसकी हिस्सेदारी में कमी आई है। हालांकि, अमेरिकी प्रतिबंध अभी भी चिंता का विषय हैं क्योंकि भारत के आयात का लगभग आधा हिस्सा रूस से आता है। इस बीच, रूस के हिस्से में कमी आने के साथ ही भारत के हथियारों के आयात में अमेरिका, इजरायल और फ्रांस की हिस्सेदारी पिछले 15 वर्षों में बढ़ी है। हालांकि, दिक्कत वाली बात यह है कि दुनिया के निर्यात में भारत की मामूली हिस्सेदारी है। सेना पर ज्यादा खर्च करने के बावजूद, दुनिया के हथियारों के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी केवल 0.2 प्रतिशत है। इसके विपरीत, वर्ष 2017 और 2021 के बीच इजरायल की हिस्सेदारी 2.45 प्रतिशत और चीन की हिस्सेदारी 4.61 प्रतिशत थी। इस अवधि के दौरान विश्व हथियारों के निर्यात में यूक्रेन की हिस्सेदारी भारत की तुलना में तीन गुना थी।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र। आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)